सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" प्रसन्न व्यक्ति वह है, जो निरन्तर स्वयं का मूल्यांकन करते हुए सुधार करता है....!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–293 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 14 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

रायपुर नगर निगम में वेंडिंग जोन बनाने की कवायद तेज, सुविधाओं पर हुई विस्तार से चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर में शहरी पथ विक्रेताओं के व्यवस्थित संचालन और उनके लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने की दिशा में नगर पालिक निगम ने महत्वपूर्ण पहल की है। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 5 के अंतर्गत नवीन पानी टंकी परिसर स्थित जोन कार्यालय में वेंडिंग जोन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 32 पथ विक्रेताओं के व्यवस्थापन के लिए चार स्थलों का चयन किया गया। इसके साथ ही चयनित स्थलों पर साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और सुचारू यातायात सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

वेंडिंग जोन समिति की बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एवं जोन क्रमांक 5 के जोन कमिश्नर राकेश शर्मा ने की। बैठक में समिति के उपाध्यक्ष एवं रायपुर नगर पालिक निगम के बाजार विभाग के अध्यक्ष अवतार बागल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान समिति के सदस्यों, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों और पथ विक्रेताओं की सहभागिता रही। बैठक में दीनदयाल अंत्योदय योजनाइराष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत शहरी पथ विक्रेताओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श किया गया। इसमें पथ विक्रेताओं के सर्वेक्षण, उनकी पहचान, वेंडिंग जोन के निर्धारण और अधिकार पत्र वितरण से जुड़े विषय प्रमुख रूप से शामिल रहे। वर्तमान में कुल 32 पथ विक्रेताओं के व्यवस्थापन के लिए चार स्थलों का चयन किया गया है।

वेंडिंग जोन समिति की बैठक में क्षेत्र के कुल 10 पथ विक्रेताओं ने सहभागिता की। इनमें पांच महिला पथ विक्रेता भी शामिल रहीं। बैठक के दौरान पथ विक्रेताओं के



व्यवस्थापन के साथ ही चयनित स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की गई। समिति ने चयनित स्थलों पर साफ–सफाई की उचित व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श किया। इसके अलावा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने और संबंधित क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने पर भी चर्चा हुई। पथ विक्रेताओं के व्यवस्थापन के साथ इन सभी विषयों को ध्यान में रखते हुए वेंडिंग जोन प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया जारी है।

बैठक में वेंडिंग जोन समिति की सदस्य एवं एमआईसी सदस्य तथा वार्ड क्रमांक 39 की पार्षद सुमन पाण्डेय, वार्ड क्रमांक 40 के पार्षद आशु चंद्रवंशी, एमआईसी सदस्य एवं वार्ड क्रमांक 41 की पार्षद सरिता दुबे, नगर निगम जोन क्रमांक 5 के अध्यक्ष एवं वार्ड क्रमांक 42 के पार्षद अम्बर अग्रवाल उपस्थित रहे। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 66 के पार्षद कृष्णा सोनकर (बब्बी), वार्ड क्रमांक 67 की पार्षद ममता तिवारी और वार्ड क्रमांक 68 की पार्षद दुर्गा साहू ने भी बैठक में सहभागिता की। सुंदर नगर के एल्डरमैन एवं सामाजिक कार्यकर्ता अनिल सोनकर तथा रामसागरपारा के सामाजिक कार्यकर्ता वासु ठाकुर भी बैठक में उपस्थित रहे।

वेंडिंग जोन समिति की बैठक में संबंधित क्षेत्र की एसीपी सीमा अहिरवार, संबंधित थाना प्रभारी तथा रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 के संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने जैसे विषयों पर विचार किया गया। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 5 के अंतर्गत पथ विक्रेताओं के व्यवस्थापन के लिए चयनित चार स्थलों से संबंधित प्रस्ताव को पूर्ण करने की दिशा में आवश्यक अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। जोन कार्यालय द्वारा वेंडिंग जोन प्रस्ताव का कार्य पूरा करने के लिए संबंधित प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

देवभोग दूध दो रुपये हुआ महंगा, अब 61 रुपये लीटर



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में दूध के लोकप्रिय ब्रांड देवभोग ने दाम बढ़ा दिए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित (CGCDF) ने प्रति लीटर 2 रुपये की बढ़ोतरी की है। अब देवभोग का एक किलो पैकेट 59 रुपये के बजाय 61 रुपये में मिलेगा।

देवभोग छत्तीसगढ़ का प्रमुख डेयरी सहकारी ब्रांड है, जिसका संचालन CGCDF द्वारा किया जाता है। प्रदेश सरकार ने इसकी स्थापना ग्रामीण क्षेत्रों की दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से स्थानीय किसानों से उचित दर पर दूध एकत्र करने के उद्देश्य से की है। एकत्रित दूध को आधुनिक संयंत्रों में प्रसंस्करण के बाद बाजार में उपलब्ध कराया जाता है।

देवभोग दूध विटामिन ए और विटामिन डी से भरपूर है, जिसमें प्रोटीन, खनिज और पोषण तत्वों की मात्रा पर निगरानी रखी जाती है।

पाहंदा में युवक पर जानलेवा हमला, 3 आरोपी गिरफ्तार



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना अमलेश्वर क्षेत्र के ग्राम पाहंदा में आपसी विवाद में युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने वाले 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक 9 नवंबर की रात बाजार चौक के पास विवाद के दौरान आरोपियों ने त्रिदेव बंधे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसके पेट में गंभीर चोट आई। घायल को एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट पर थाना अमलेश्वर में अपराध क्रमांक 164/2026 धारा 109 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। अमलेश्वर थाना और साइबर क्राइम दुर्ग की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना पर चंगोराभाटा रायपुर से घेराबंदी कर तीनों को पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपी गोपी साहू (32), अंकित सोनकर (19) और भेदराज निर्मलकर (25) सभी चंगोराभाटा डीडी नगर रायपुर के निवासी हैं। उनके पास से घटना में प्रयुक्त बटनदार धारदार हथियार, 2 मोटरसाइकिल (CG-04-LG-0726, CG-04-PA-2955) और 3 मोबाइल जब्त किए गए। तीनों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, जबकि 2 अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

शराब घोटाला : शराब सिंडिकेट का खजांची दुबई में हुआ गिरफ्तार



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले के फरार आरोपी एकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू को दुबई में पकड़े जाने की सूचना है। ईडी और ईओडब्ल्यू अब उसे भारत लाने के लिए प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में जुट गई हैं। इसके लिए घोटाले से जुड़े दस्तावेजों का अरबी में अनुवाद कराया जा रहा है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक सुब्बू शराब सिंडिकेट का वित्तीय प्रबंधक था। डिस्टलरी और विदेशी शराब कंपनियों से अवैध कमीशन वसूली, जिलों में पार्ट–इ शराब की बिक्री से कैश कलेक्शन और हवाला से पैसा पहुंचाने का काम वही संभालता था। वसूली की रकम कारोबारी अनवर ढेबर और रिटायर्ड आईएएस अरुणपति त्रिपाठी तक पहुंचती थी।

छापेमारी शुरू होते ही दिसंबर 2022 में वह परिवार के साथ दुबई शिफ्ट हो गया था। एजेंसियों का दावा है कि वह सिंडिकेट के करीब 1200 करोड़ रुपये लेकर गया और वहां अलग–अलग कंपनियों व सोने की बुलियन कारोबार में निवेश किया।

मूल रूप से बिलासपुर निवासी विकास का पहले सराफा कारोबार था। बाद में रायपुर के सिद्धार्थ सिंघानिया के साथ मिलकर सुमित फैसिलिटीज मैनपावर कंपनी का काम संभाला, तभी अनवर ढेबर के संपर्क में आकर सिंडिकेट से जुड़ा।

जांच में खुलासा हुआ कि सुब्बू ने श्रीजी आंगड़िया के जरिए 27 मई से 21 जून 2022 के बीच 27 लेनदेन कर 208.46 करोड़ रुपये रायपुर से मुंबई और फिर दुबई भेजे। इस नेटवर्क में खंजन ठक्कर उर्फ कुमार भाई ठक्कर की भूमिका भी है। कुल 96 लेनदेन में 466.39 करोड़ के हवाला का उल्लेख दस्तावेजों में है।

महादेव का प्रमोटर सौरभ चंद्राकर ईडी की गिरफ्त में, 19 तक रिमांड



महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी सिंडिकेट के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ईडी ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। विशेष अदालत ने उसे 19 नवंबर तक 7 दिन की ईडी हिरासत में भेजा है। सौरभ इस सिंडिकेट का पहला प्रमोटर है जिसे भारत वापस लाया गया है। दूसरे प्रमोटर रवि उप्पल को भी दुबई से लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

ईडी के मुताबिक मूलतः भिलाई निवासी सौरभ और रवि उप्पल दुबई से भारत और यूएई में सट्टेबाजी पैनलों की फ्रेंचाइजी चलाते थे। महादेव ऑनलाइन बुक सहित कई वेबसाइटों से सट्टे की रकम दूसरे लोगों के नाम पर खोले गए खातों में जमा कर हवाला से विदेश भेजी जाती थी। 20 अक्टूबर 2023 की एफआईआर में मासिक कमाई 450 करोड़ आंकी गई थी, जो अब बढ़कर 94 हजार करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

ईडी का दावा है कि पिछले तीन साल में 190 ठिकानों पर छापे, 116 आरोपी, 2000 करोड़ की संपत्ति फ्रीज और 3500 करोड़ की संपत्ति अटैच की गई है, जिसमें 1800 करोड़ की विदेशी संपत्ति भी है।

उधर सौरभ की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने भी शिकंजा कसा है। सीबीआई ने रायपुर में जेल में बंद मोहित सोमानी के ठिकानों के साथ दुर्ग, महासमुंद में भी छापे मारे और एक दर्जन से ज्यादा अधिकारियों, हवाला ऑपरेटरों व मीडिया से जुड़े लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया है।

बाल दिवस पर विशेष

शून्य से शिखर तक – पंडित नेहरू का युगद्रष्टा विजन



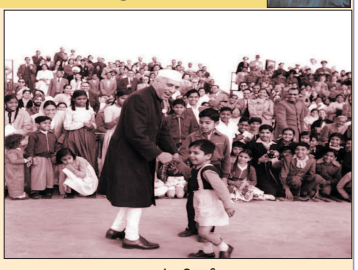

आलोक तिवारी

14 नवंबर को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती है। एक ऐसा दिन जिसे हम 'बाल दिवस' के रूप में मनाते हैं, लेकिन यह दिन सिर्फ बच्चों की मुस्कान का नहीं, बल्कि उस दूरदर्शी नायक के स्मरण का भी है, जिसने राख के ढेर से आधुनिक भारत को गढ़ा।

इतिहास को समझने के लिए हमें 1947 में लौटना होगा।

15 अगस्त 1947 को जब लाल किले पर पहली बार तिरंगा फहरा, तो जश्न के साथ एक सन्नाटा भी था। सदियों की लूट के बाद खजाना खाली था। देश की 90 प्रतिशत आबादी अशिक्षित थी, औसत आयु 32 वर्ष थी, औद्योगिक उत्पादन नगण्य था। देश में सुई तक नहीं बनती थी। अकाल और भुखमरी आम थी। अनाज के लिए हम अमेरिका के PL-480 पर निर्भर थे, जिसके तहत वो लाल गेहूं भारत आता था जिसे अमेरिका में पशुओं को खिलाया जाता था। रेल की पटरियां थीं पर उद्योग नहीं, खेत थे पर सिंचाई नहीं, लोग थे पर रोजगार नहीं। यह शून्यता ही स्वतंत्र भारत की पहली सच्चाई थी। ऐसी भयावह विषम परिस्थितियों में सत्ता संभालना एक तपस्या थी, और नेहरू ने वही किया।

नेहरू का विजन – जो आज भी प्रासंगिक है

नेहरू ने तात्कालिक लोकलुभावन राजनीति नहीं चुनी। उन्होंने 100 साल आगे का भारत देखा।

विदेश नीति – झुकना नहीं, सोचना है: दुनिया शीत युद्ध की आग में जल रही थी। अमेरिका और सोवियत संघ, दोनों चाहते थे कि भारत उनके पाले में आए। नेहरू ने तीसरा रास्ता दिखाया – गुटनिरपेक्ष आंदोलन (Non-Aligned Movement)। यूगोस्लाविया के टीटो और मिस्र के नासिर के साथ मिलकर उन्होंने नव–आजाद देशों को एक आवाज दी। पंचशील का सिद्धांत दिया। इससे भारत किसी का पिछलग्गू नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा।

भीतर – लोकतंत्र को संस्कार बनाना: विभाजन ने देश की आत्मा को छलनी कर दिया था। उस दौर में कई देशों में तानाशाही आई। नेहरू ने लोकतंत्र को मजबूती से थामा। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के पन्ने से निकालकर शासन की आत्मा बना दिया। संसद में विपक्ष की आलोचना को उन्होंने हमेशा सम्मान दिया।

अर्थव्यवस्था – मिश्रित अर्थव्यवस्था और 'आधुनिक भारत के मंदिर': नेहरू समझते थे कि सिर्फ कृषि से देश नहीं चलेगा। उन्होंने मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल अपनाया। सार्वजनिक क्षेत्र को मजबूत किया। भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर के स्टील प्लांट, BHEL, ONGC, भाखड़ा–नांगल, हीराकुंड जैसे विशाल बांध बने। वे इन्हें 'आधुनिक भारत के मंदिर' कहते थे। ये सिर्फ कारखाने नहीं, आत्मनिर्भरता के प्रतीक थे।

भविष्य – लैब में भारत को खोजना: नेहरू की सबसे बड़ी दूरदर्शिता थी विज्ञान में निवेश। जब खाने के लाले थे, तब उन्होंने IITs, IIMs, AIIMS, परमाणु ऊर्जा आयोग, DRDO और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान (INCOSPAR, जो बाद में ISRO बना) की नींव रखी। उनका मानना था – "जो देश विज्ञान को अपनाता है, वही भविष्य पर राज करता है।" आज भारत का कद साम्राज्य, अंतरिक्ष में सफलता और मेडिकल ताकत उसी नींव पर खड़ी है।

नेहरू से मतभेद हो सकते हैं। चीन नीति हो या कश्मीर मुद्दा, इतिहास उनकी समीक्षा करता है और करनी भी चाहिए। यह लोकतंत्र की खूबसूरती है। लेकिन एक राष्ट्रनिर्माता के तौर पर उनका योगदान निर्विवाद है। उन्होंने एक भूखे, टूटे, निरक्षर देश को एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, वैज्ञानिक और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने का सपना दिखाया और उस सपने को जमीन पर उतारने के लिए संस्थाएं बनाईं।

आज जब हम विश्वगुरु बनने की बात करते हैं, तो हमें याद रखना होगा कि उस गगनचुंबी इमारत की पहली ईंट पंडित जवाहरलाल नेहरू ने ही रखी थी। शून्य से शिखर तक की यह यात्रा, एक महान विजन की कहानी है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री को उनकी जयंती पर कोटि–कोटि नमन।

संतश्री अशोक तिवारी स्मृति सम्मान से अलंकृत किए जाएंगें प्रो.संजय द्विवेदी

गोपालगंज (बिहार) में आयोजित सदानीरा महोत्सव में होगा सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल



प्रख्यात लेखक प्रो.संजय द्विवेदी को राष्ट्रीय चेतना के जागरण संबंधी लेखन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'संतश्री अशोक तिवारी स्मृति सम्मान' से अलंकृत किए जाने की घोषणा की गयी है। उन्हें यह सम्मान 18 नवंबर को गोपालगंज (बिहार) में आयोजित सदानीरा महोत्सव–2026 में प्रदान किया जाएगा। भारत के इस पहले ग्रामीण लिट्लेचर फेस्टिवल 'सदानीरा महोत्सव' का आयोजन हर साल गोपालगंज के करवतही बाजार में आयोजित किया जाता है।

प्रो.संजय द्विवेदी प्रख्यात मीडिया शिक्षाविद् और वरिष्ठ पत्रकार हैं, जिन्होंने मीडिया शिक्षा, शोध और व्यावहारिक पत्रकारिता–तीनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वे भारतीय जन संचार संस्थान (IIMC), नई दिल्ली के महानिदेशक रहे हैं। इससे पूर्व वे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में प्रभारी कुलपति तथा कुलसचिव जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। वर्तमान में वे इसी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में आचार्य और अध्यक्ष हैं। प्रो द्विवेदी ने राष्ट्रबोध और संचार विमर्श से संबंधित विषयों पर 33 पुस्तकों का लेखन एवं संपादन किया है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष सर्वेश तिवारी श्रीमुख ने बताया कि सदानीरा महोत्सव साहित्य, संस्कृति, समाज और बौद्धिक चेतना के विविध पक्षों को समर्पित सांस्कृतिक आयोजन है। इसमें इस साल प्रो. द्विवेदी के अलावा फिल्म समीक्षक रमेश अनुपम, लोकगायक मदन राय, कवि सुनील कुमार तंग, बलराम बल्लू को भी सम्मानित किया जाएगा। इस एक दिवसीय कार्यक्रम में देश भर से 100 से अधिक लेखक, कवि और साहित्यकार भाग लेंगे। महोत्सव में साहित्यिक परिचर्चा, कवि सम्मेलन और संगीत संध्या का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि सदानीरा महोत्सव पूर्वांचल के प्रमुख साहित्यिक आयोजनों में अपनी अलग पहचान बना चुका है और अब इसकी चर्चा देश के विभिन्न हिस्सों में होने लगी है।

पश्चिम जोन पुलिस का गुंडा–बदमाशों पर बड़ा अभियान, 106 की चेकिंग



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर के पश्चिम जोन में गुंडा एवं निगरानी बदमाशों के खिलाफ 2 दिन तक विशेष अभियान चलाया गया। डीसीपी वेस्ट जोन रॉबिन्सन गुरिया के निर्देशन और एडीसीपी राहुल देव शर्मा की मॉनिटरिंग में थाना पुरानी बस्ती, डीडी नगर, आमानाका, आजाद चौक, सरस्वती नगर, कबीर नगर, न्यू राजेंद्र नगर, टिकरापारा और मुजगहन पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की।

अभियान में 106 गुंडा एवं निगरानी बदमाशों की चेकिंग की गई, जिनमें से 68 की परेड कराई गई। सभी को अपराधों से दूर रहने और शांति व्यवस्था बनाए रखने की सख्त हिदायत दी गई। कार्रवाई के दौरान 7 बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई, वहीं 2 स्थायी और 3 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

बिरसा मुंडा जयंती और बाल दिवस पर भारत स्काउट-गाइड ने किया रक्तदान

संकल्प लिया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद वे भी नियमित रूप से रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करेंगी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग





भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर मनाए जाने वाले बाल दिवस के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में जिला चिकित्सालय दुर्ग परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता संजय बोहरा के मार्गदर्शन में आयोजित इस सेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम में स्काउट-गाइड के बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम को जिला प्रशासन एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वहीं जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. मिंज तथा ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. चुरेंद्र के सहयोग से रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शिविर के दौरान एक विशेष बात यह देखने को मिली कि कक्षा दसवीं में अध्ययनरत बालिकाओं ने रक्तदान की पूरी प्रक्रिया को बेहद उत्सुकता से देखा और इसके महत्व को समझा। उन्होंने संकल्प लिया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद वे भी नियमित रूप से रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करेंगी। इस पहल ने युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना का प्रेरणादायी संदेश दिया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत धीर, समाजसेवी संजय बोहरा, बालक दास, ललित बिजोरा सहित अन्य लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया। आयोजकों ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग और समाज के प्रति समर्पण तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाल प्रेम से प्रेरणा लेते हुए इस आयोजन को सेवा और संवेदनशीलता के साथ यादगार बनाया गया। दुर्ग जिले में इन महापुरुषों की जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर स्काउट-गाइड के बच्चों की सहभागिता से आयोजित यह रक्तदान कार्यक्रम विशेष पहल के रूप में सामने आया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर जिला संघ की ओर से जिला प्रशासन, अस्पताल प्रशासन, ब्लड बैंक प्रभारी, बालक दास, ललित बिजोरा एवं नेहा उपाध्याय के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया। आयोजकों ने कहा कि सभी के सहयोग, समर्पण और निरंतर प्रोत्साहन से ही यह सेवा कार्य सफल हो सका।

खास खबर

कल से धान खरीदी शुरू, 21 क्विंटल बेचने की बाध्यता खत्म : विधायक ललित चंद्राकर



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश में 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी को लेकर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने गुरुवार को अपने निवास पर सेवा सहकारी समितियों के अध्यक्षों और प्रबंधकों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की।

विधायक ने कहा कि खरीदी के दौरान किसानों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी केंद्रों में बारदाना, कांटा-बांट, नमी मापक यंत्र, कंप्यूटर, इंटरनेट, बिजली-पानी, छाया और पेयजल की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए। टोकन व्यवस्था पारदर्शी रखने और धान का उठाव समय पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ने बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अब 21 क्विंटल धान बेचने की अनिवार्य बाध्यता समाप्त कर दी गई है।

किसान अपनी जरूरत के अनुसार धान बेच सकेंगे। बेची गई मात्रा पर समर्थन मूल्य और शेष पर कृषक उन्नति योजना के तहत बोनस सीधे खाते में मिलेगा। यदि किसान एक दाना भी नहीं बेचता, तो भी डीसीएस सर्वे के आधार पर शपथ-पत्र देकर बोनस का पात्र होगा। डिजिटल क्रॉप सर्वे में दर्ज रकबे पर अधिकतम 13,839 रुपये प्रति एकड़ तक आदान सहायता मिलेगी। विधायक ने कहा कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल पर 21 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी, महतारी वंदन, तेंदूपत्ता 5500 रुपये प्रति मानक बोरा, भूमिहीन मजदूरों को 10 हजार वार्षिक सहायता मोदी की गारंटी पूरी होने का प्रमाण है।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई - साइबर ठगों को बैंक खाते बेचने वाले 14 गिरफ्तार

दुर्ग। साइबर ठगी की रकम खपाने के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले 14 आरोपियों को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना जामुल, पद्मनाभपुर और ACCU की संयुक्त टीम ने विशेष अभियान चलाकर यह कार्रवाई की है। आरोपी 5,000 से 15,000 रुपये के कमीशन के लालच में अपने और दूसरों के बैंक खाते साइबर अपराधियों को बेचते थे। खातों के साथ पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड भी दिए जाते थे, जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम को इधर-उधर करने के लिए होता था।

पुलिस के मुताबिक थाना जामुल के अपराध क्रमांक 522/2026 में 3 और थाना पद्मनाभपुर के 439/2026 में 9 खाताधारक व 2 एजेंट गिरफ्तार किए गए हैं। जांच में इन खातों में लाखों रुपये के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा हुआ है। जामुल से मनोज यादव, प्रदीप कुमार, अक्षय राज। पद्मनाभपुर से महेश महानंद, उपेन्द्र सिंह (एजेंट), संतोष सोनी, कुंदन कुमार (एजेंट), सुमित सिंह, लोकेश बघेल, मोहन मांझी, अंकित डोंगरे, आशुतोष तांडी, हेमा सिन्हा और सरस्वती ठाकुर। सभी दुर्ग-भिलाई के निवासी हैं।

निधन

कांता देवी खंडेलवाल

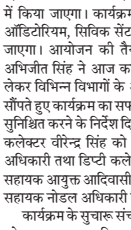

भिलाई। खंडेलवाल कॉलोनी निवासी श्रीमती कांता देवी खंडेलवाल धर्मपत्नी स्वर्गीय मुरली मनोहर खंडेलवाल का निधन हो गया। वे 92 साल की थी। श्रीमती कांता देवी खंडेलवाल का अंतिम संस्कार शनिवार 14 नवंबर को शिवनाथ नदी के तट पर किया गया। श्रीमती कांता देवी खंडेलवाल शहर के प्रमुख व्यवसायी राजेश खंडेलवाल की मां, अंकित खंडेलवाल की दादी एवं किशन खंडेलवाल, अशोक खंडेलवाल एवं गोपाल खंडेलवाल की भाभी थी।

किसानों की समस्याओं और राजस्व अधिकारियों की मांगों को लेकर अरुण वोरा ने दिया समर्थन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे, पीवी ऐप, एग्रीस्टैक फार्मर रजिस्ट्री एवं धान खरीदी से जुड़ी तकनीकी और प्रशासनिक समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ द्वारा 13 नवंबर को आयोजित एक दिवसीय सामूहिक अवकाश के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा ने संघ के पदाधिकारियों एवं आंदोलनरत तहसीलदारों तथा नायब तहसीलदारों से मुलाकात कर उनकी मांगों को अपना समर्थन दिया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के तहसीलदार और नायब तहसीलदार प्रशासनिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। राजस्व विभाग के न्यायालयीन कार्यों से लेकर किसानों की समस्याओं के निराकरण और शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन तक उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में जब तकनीकी अधिकार और संसाधन उपलब्ध नहीं हैं, तब अधिकारियों पर जवाबदेही डालना व्यावहारिक नहीं है। शासन को उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर आवश्यक तकनीकी सुविधाएं, स्पष्ट दिशा-निर्देश और पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए।

वोरा ने कहा कि किसानों का हित और प्रशासनिक व्यवस्था का सुचारु संचालन एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। किसानों को धान विक्रय और शासकीय योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसके लिए राजस्व, कृषि, खाद्य एवं सहकारिता विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने शासन से संघ द्वारा उठाई गई मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए तकनीकी विसंगतियों का शीघ्र निराकरण करने और किसानों के वास्तविक धान रकबे का सही सत्यापन सुनिश्चित करने की मांग की। अरुण वोरा ने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों और प्रशासनिक अधिकारियों की जायज समस्याओं के समाधान के लिए उनकी आवाज उठाना आवश्यक है।

पोटिया में घर-घर पीलिया का डर, वोरा ने किया दौरा

शहर के पोटियाकला क्षेत्र में पीलिया के 15 मरीज सामने आने से शासन-प्रशासन की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। 7 से 12 नवंबर के बीच सामने आए इन मामलों ने क्षेत्र में पेयजल की शुद्धता और स्वच्छता की स्थिति को लेकर स्थानीय नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा ने पोटियाकला का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। आबादीपारा के स्थानीय निवासी राकेश साहू के परिवार के छह सदस्यों के पीलिया से प्रभावित है। अब तक करीब 15 लोग इस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं, जिनमें सात मरीज जिला अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें 6-7 बच्चे संक्रमण से प्रभावित हैं। क्षेत्र में भय और असमंजस का माहौल है।कई मरीज जिला अस्पताल में उपचार कराने से कतरा रहे हैं। उन्हें वहां की स्वास्थ्य सुविधाओं और उपचार को लेकर आशंकाएं हैं।बजाय झाड़-फूंक का सहारा ले रहे हैं।बच्चे भी अस्पताल जाने को तैयार नहीं हैं। अब तक किसी अन्य जनप्रतिनिधि ने मौके पर पहुंचकर उनकी समस्याएं जानने की पहल नहीं की।अरुण वोरा ने पीलिया से प्रभावित मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उपचार और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर चर्चा की। पीड़ित परिवारों के बीच मौजूदगी के दौरान ही अरुण वोरा ने कलेक्टर अभिजीत सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर उन्हें क्षेत्र की गंभीर स्थिति से अवगत कराया तथा प्रभावित परिवारों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और संक्रमण की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। इस दौरान वोरा ने कहा कि बीमारी के समय लोगों का सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर भरोसा कायम रहना बेहद जरूरी है।

हिर्री खदान अस्पताल में ई-सुश्रुत HMIS प्रणाली हुई लागू



स्वास्थ्य सेवाएं होंगी डिजिटल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा विभाग के अंतर्गत हिर्री खदान अस्पताल में ई-सुश्रुत हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम का क्रियान्वयन शुरू किया गया है। यह डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

इस प्रणाली का क्रियान्वयन सी-डैक द्वारा किया जा रहा है। तकनीकी समन्वय भिलाई इस्पात संयंत्र की परियोजना प्रबंधन इकाई की टीम द्वारा जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के सहयोग से किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. सबिता पंडा के मार्गदर्शन और महाप्रबंधक प्रभारी संजय कुमार के समन्वय में यह पहल की जा रही है। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गुरमीत सिंह और डॉ. अमित अग्रवाल ने लटक्क के विभिन्न मॉड्यूल के विकास में योगदान दिया है।

इस प्रणाली के तहत ओपीडी चिकित्सक कक्ष, औषधालय, सेवा क्षेत्र और इंजेक्शन कक्ष को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है। इसका एकीकरण भिलाई इस्पात संयंत्र के 'स्वास्थ्य साथी' मोबाइल एप से किया गया है, जिससे मरीजों को ओपीडी पर्ची, दवाइयों और लैब जांच की जानकारी मोबाइल पर मिलेगी। सेक्टर-9 लैब की रिपोर्ट भी एप पर उपलब्ध होगी।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह कर्मचारियों के लिए अलग-अलग क्यूआर कोड की सुविधा भी शुरू की गई थी।

इस वर्ष 123 धान उपार्जन केंद्रों में होगी खरीदी

दुर्ग। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में जिले में समर्थन मूल्य पर 15 नवम्बर से धान खरीदी प्रारंभ हो रही है। धान खरीदी संबंधी तैयारियां कर ली गई हैं। इस वर्ष जिले में खरीदी केंद्रों की संख्या, पंजीकृत किसानों और धान के रकबे में वृद्धि हुई है।

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और सामुदायिक भोज ने बच्चों के उत्साह को बनाया यादगार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में बाल दिवस हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्राथमिक विभाग द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या श्रीमती पुष्पा बड़ा एवं मुख्याध्यापक कमल सोनी द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर बच्चों के प्रति उनके स्नेह और प्रेम को याद किया गया। इस पर विद्यालय के हिंदी विभाग के शिक्षक टाकेश्वर ने नेहरू जी के जीवन पर विस्तृत वर्णन कर बच्चों को उनकी गरिमामयी उपस्थिति का आभास कराया।

कार्यक्रम में कक्षा दूसरी की छात्रा मायरा ने शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से मनमोहक गणेश वंदना प्रस्तुत की। वहीं बालवाटिका की नन्ही छात्रा ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इसके बाद बालवाटिका से कक्षा चौथी तक के विद्यार्थियों के लिए कक्षावार फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मेरी रंग-बिरंगी दुनिया, आजादी के वीर सैनानी और प्रकृति बचाओ जैसे विषयों पर विद्यार्थियों ने आकर्षक वेशभूषा के साथ अपनी प्रतिभा और जागरूकता का परिचय दिया।

कक्षा पाँचवीं के विद्यार्थियों ने अनुभागवार समूह प्रस्तुतियाँ दीं। 'बताइए, यह किसने कहा ?', 'बालिका शिक्षा' और 'यदि बच्चे नियम बनाएँ' जैसे रोचक विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों ने सामाजिक जागरूकता, कल्पनाशीलता और संवाद कौशल का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर प्राचार्या श्रीमती पुष्पा बड़ा ने अपने संदेश में कहा कि 'बच्चे ही कल का भविष्य हैं।' उनके व्यक्तित्व का समुचित विकास, अच्छी शिक्षा और संस्कार ही देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। मुख्याध्यापक कमल सोनी ने भी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए उनकी प्रतिभा और उत्साह की सराहना की तथा निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संयोजन सीएलए प्रमुख श्रीमती नीति यादव ने किया तथा संचालन सुश्री उर्वशी ने किया। पीए सिस्टम की व्यवस्था अमरनाथ सिंह एवं उनकी टीम द्वारा की गई। विद्यालय के सभी प्राथमिक शिक्षकों ने पूरे दिन के कार्यक्रम को सफल बनाने में अभूतपूर्व योगदान दिया। इसके लिए मुख्याध्यापक श्री कमल सोनी ने सभी शिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को स्नेह स्वरूप जलपान सामग्री वितरित की गई। समारोह का विशेष आकर्षण सामुदायिक भोज रहा। विद्यार्थी अपने घरों से विभिन्न प्रकार के व्यंजन लेकर आए और सभी ने अपने सहपाठियों के साथ मिल-बाँटकर भोजन किया। इस गतिविधि ने बच्चों में आपसी सहयोग, प्रेम, एकता और साझा करने की भावना को प्रोत्साहित किया।

समग्र रूप से बाल दिवस समारोह सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, रचनात्मक गतिविधियों और सामूहिक सहभागिता का सुंदर संगम रहा। इस आयोजन ने बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ आनंद, सहयोग और आपसी सद्भाव का यादगार अवसर प्रदान किया।

16 नवंबर को कला मंदिर ऑडिटोरियम में मनाया जाएगा जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



जनजातीय गौरव, संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देने जिले में 16 नवंबर को जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। कार्यक्रम महात्मा गांधी कला मंदिर ऑडिटोरियम, सिविक सेंटर भिलाई में आयोजित किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह को सम्पूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी तथा डिप्टी कलेक्टर प्रफुल्ल कुमार गुप्ता एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अविनाश श्रीवास को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न विभागों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं। पुलिस विभाग को सुरक्षा व्यवस्था, प्रोटोकॉल अधिकारी को अतिथियों के आमंत्रण, अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, धमधा, पाटन और भिलाई-3 को स्थानीय जनजाति वर्ग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके वंशजों की सूची उपलब्ध करना और अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र वितरण, लोक निर्माण विभाग को बैठक व्यवस्था, मंच सज्जा एवं आवश्यक सुविधाओं की जिम्मेदारी दी गई है। स्वास्थ्य विभाग कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा व्यवस्था के साथ जिला स्तर, विकासखण्ड स्तर, प्रवास विद्यालय, विज्ञान विकास केन्द्र एवं छात्रावासों/प्रमुख स्थानों पर निःशुल्क स्वास्थ्य एवं सिकलसेल जांच शिविर आयोजित करना और अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरण करेगा।

आदिवासी विकास विभाग द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं जनजातीय प्रतिनिधियों को आमंत्रित करने, छात्रावासों, आवासीय विद्यालयों में साफ सफाई, वृक्षारोपण एवं चित्रकला और जनजातीय संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की जाएगी। उद्यानिकी विभाग बुके एवं फूल माला की व्यवस्था, परिवहन विभाग बस/वाहन की ईंधन की व्यवस्था, शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिभावान बच्चों का सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, निबंध लेखन, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

इसके अलावा जनपद पंचायतों को जनजातीय समाज के हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने, आवास योजनाओं के प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आबकारी विभाग अतिथियों को स्मृति चिन्ह/मोमेन्टो की व्यवस्था, कृषि एवं पशुपालन विभाग द्वारा जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं जनजातीय समुदाय के प्रमुखों को आमंत्रण एवं किसान क्रेडिट कार्ड वितरण, जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा सफलता की कहानी एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस का प्रदर्शन खाद्य विभाग द्वारा लगभग 600 व्यक्तियों के लिए भोजन पैकेट एवं पानी की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, श्रम विभाग द्वारा जनजातीय हितग्राहियों को श्रम कार्ड तथा जनसंपर्क अधिकारी प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी दी गई है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने सभी संबंधित विभागों को सौंपे गए दायित्वों का निर्धारित समय-सीमा में निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्र. अ-6 वर्ष 2025-26, 2026111010000009

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फत्ते सिंह पिता स्व० डाल सिंह निवासी सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 1540 रकबा 0.20 हे. भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 23.11.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29.10.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्र. अ-6 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वीरेन्द्र प्रसाद पाण्डेय पिता स्व. धनेश्वर प्रसाद निवासी कोहका भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 4219 रकबा 0.040 हे. भूमि आवेदक के निरेन्द्र कुमार पिता स्व० धनेश्वर प्रसाद एवं अन्य के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने एवं अन्य खातेदारो का नाम यथावत के संबंध में आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 18.11.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

अब 21 क्विंटल से कम धान बेचने पर भी मिलेगी प्रति एकड़ 13, 839 रुपए की आदान सहायता

कम उत्पादन वाले क्षेत्रों के किसानों को मिलेगी बड़ी राहत, लघु-सीमांत और जनजातीय अंचलों के किसान होंगे विशेष रुप से लाभान्वित

नई दृष्टिबिंदु

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों के हित में राज्य सरकार के एक महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी देते हुए घोषणा की कि अब निर्धारित अधिकतम मात्रा से कम धान बेचने वाले किसानों को भी प्रति एकड़ के मान से एकसमान 13 हजार 839 रुपए की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई किसान प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम 21 क्विंटल से कम मात्रा में धान उपार्जन के लिए उपलब्ध कराता है, तब भी उसे प्रति एकड़ के मान से आदान सहायता राशि का लाभ मिलेगा। सरकार के इस निर्णय से विशेष रूप से कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों के किसानों, लघु एवं सीमांत कृषकों तथा जनजातीय अंचलों के किसान परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय आज रायपुर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी किसान कम उत्पादन के कारण शासन की सहायता से वंचित न रहे। छत्तीसगढ़ के अनेक जनजातीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों और सिंचाई सुविधाओं की सीमित उपलब्धता के कारण कृषि उत्पादकता अपेक्षाकृत कम रहती है। ऐसे क्षेत्रों के किसानों के लिए यह निर्णय विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के साथ ही उनकी आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस वर्ष प्रदेश में लगभग 27 लाख 50 हजार किसानों से धान खरीदी की जाएगी। किसानों की सुविधा और खरीदी व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए 360 नए उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रदेश में कुल 3,100 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी। इससे किसानों को अपने नजदीकी केंद्रों पर उपज बेचने की सुविधा मिलेगी और परिवहन संबंधी परेशानियां भी कम होंगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। इससे देश के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के अतुलनीय योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान मिला है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने भगवान बिरसा मुंडा के उलगुलान आंदोलन का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करने के साथ ही जनजातीय समाज को अपनी संस्कृति, परंपराओं और स्वाभिमान की रक्षा का संदेश दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के शहीद वीर नारायण सिंह, परलकोट विद्रोह के नायक शहीद गेंद सिंह और भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर के बलिदान और शौर्य को भी नमन किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बने। इस संकल्प की सिद्धि में जनजातीय समाज की बराबर की भागीदारी सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय परिवारों तक शासन की प्रत्येक योजना का लाभ पहुंचाना, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, सम्मानजनक आजीविका, जल-जंगल-जमीन पर अधिकार तथा अपनी भाषा और संस्कृति के संरक्षण के साथ विकास के नए अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के लिए किसान कल्याण और जनजातीय विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। धान की आदान सहायता राशि के संबंध में लिया गया नया निर्णय इसी सोच का परिणाम है। हम चाहते हैं कि बस्तर से सरगुजा तक हर किसान और हर जनजातीय परिवार विकास की मुख्यधारा से जुड़े तथा समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बने। मुख्यमंत्री साय ने अंत में समस्त प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

तेंदूपत्ता संग्राहकों और वनवासी परिवारों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध सरकार

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के लाखों जनजातीय परिवारों की आजीविका वनोपज पर निर्भर है। हमारी सरकार ने तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4,000 रुपए से बढ़ाकर 5,500 रुपए प्रति मानक बोरा की है। चरणपादुका योजना पुनः प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2025 में 12 लाख 40 हजार महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरणपादुका वितरित की गई। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 67 प्रकार की लघु वनोपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है, जिससे लगभग चार लाख संग्राहक परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि जंगलों में रहने वाले परिवारों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिले और वन संपदा उनकी आर्थिक समृद्धि का आधार बने। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। जिन जनजातीय क्षेत्रों में कभी हिंसा और भय का वातावरण था, वहां आज शांति, विश्वास और विकास की नई संभावनाएं साकार हो रही हैं।

गन्ना किसानों को भी बड़ी राहत, आठ वर्ष पुरानी उपार्जन दर में 70 रुपए की वृद्धि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रेस वार्ता में गन्ना किसानों के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले आठ वर्षों से गन्ने की उपार्जन दर 355 रुपए प्रति क्विंटल थी। हमारी सरकार ने किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए इसे बढ़ाकर 425 रुपए प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया है। इस प्रकार गन्ने की घोषित उपार्जन दर में 70 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) तथा राज्य सरकार की घोषित दर के बीच की अंतर राशि गन्ना बोनस के रूप में प्रदान की जाएगी। विशेष बात यह है कि पेराई सत्र 2025-26 में खरीदे गए गन्ने के लिए भी बढ़ी हुई दर का लाभ किसानों को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय गन्ना उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ ही प्रदेश में फसल विविधीकरण को भी प्रोत्साहित करेगा।

जनजातीय समाज के विकास और सम्मान के लिए ऐतिहासिक पहल

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातीय समाज के कल्याण के लिए अलग जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की। उनके नेतृत्व में ही जनजातीय बहुल छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों का गठन हुआ। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सशक्तीकरण को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन अभियान के माध्यम से देश के 75 विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समुदायों के 12 लाख 37 हजार परिवारों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत देश के लगभग 63 हजार गांवों के पांच करोड़ से अधिक लोगों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। छत्तीसगढ़ के 6,691 गांव भी इस अभियान में शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में 75 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय संचालित हैं। जनजातीय बच्चों को गोंडी और हल्बी जैसी स्थानीय भाषाओं में शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। ओरछा और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। गीदम और कुनकुरी में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए गए हैं।

नवा रायपुर में 20 एकड़ में बने सर्वसुविधायुक्त विद्यालय परिसर और संभागों के 207 स्कूलों को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने का निर्णय

नई दृष्टिबिंदु



रायपुर। छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और औद्योगिक निवेश को तेजी से बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति की एक उच्च-स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग से जुड़े कई प्रमुख प्रस्तावों की गहन समीक्षा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का क्रियान्वयन पूरी तरह पारदर्शी, उच्च गुणवत्ता वाला और निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि राज्य में निवेशकों और नागरिकों को अनुकूल माहौल मिल सके।

बैठक में नवा रायपुर, अटल नगर में लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में नवनिर्मित विद्यालय परिसर को संचालन, रख-रखाव एवं हस्तांतरण आधारित पीपीपी मॉडल पर संचालित करने के प्रस्ताव पर विचार किया गया। इस विद्यालय में कक्षा 1 से 12वीं तक की पढ़ाई होगी। कुल 960 सीटें रहेंगी, जिनमें प्रत्येक कक्षा में 2 सेक्शन और प्रति सेक्शन 40 विद्यार्थी होंगे। इसमें 25 प्रतिशत आर.टी.ई. (ल्ज्) सीटों के साथ-साथ शासकीय कोटे की अतिरिक्त निःशुल्क सीटें भी शामिल रहेंगी।

अनुबंध और गुणवत्ता: अनुबंध की अवधि 30 वर्ष होगी, जिसे कार्यदक्षता के आधार पर केवल एक बार 10 वर्ष के लिए (अधिकतम 40 वर्ष तक) बढ़ाया जा सकेगा। शिक्षा की गुणवत्ता की निगरानी के लिए 5 डोमेन और 100 अंकों पर आधारित 17 मुख्य प्रदर्शन संकेतक (ज्ञच्) तय किए गए हैं।

राज्य के विद्यार्थियों को सीबीएसई मानकों के अनुरूप अंग्रेजी माध्यम शिक्षा उपलब्ध कराने और शासकीय भवनों के अधिकतम उपयोग के उद्देश्य से, राज्य के 5 संभागों के 207 विद्यालयों (103 प्राथमिक एवं 104 पूर्व माध्यमिक शालाएं) को ओएमटी आधारित पीपीपी मॉडल पर 30 वर्ष की लीज पर संचालित करने के प्रस्ताव की समीक्षा की गई। इन विद्यालयों का स्वामित्व पूरी तरह शासन के पास ही रहेगा।

शिक्षा पूरी तरह निःशुल्क: वर्तमान में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रखने के लिए शाला के स्तर अथवा उच्चतम कक्षा से उत्तीर्ण होने तक आर.टी.ई. की दर के अनुसार शासन द्वारा भुगतान किया जाएगा, जिससे बच्चों की शिक्षा पूरी तरह निःशुल्क जारी रहेगी।

बिलासपुर में ट्रांसपोर्ट नगर प्रोजेक्ट को गति: बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अंतर्गत बिलासपुर में शहर की लॉजिस्टिक्स और परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर प्रोजेक्ट के न्यूनतम विकास दायित्वों और प्री-बिड बैठक में मिले सुझावों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस उच्च-स्तरीय बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, वित्त विभाग एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव भुवनेश यादव, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव बसवराजु एस., खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, सीएसआईडीसी के एमडी विश्वेश कुमार सहित वित्त विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एशियन पैरा खेल के पदक विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री साय ने कहा - दोनों खिलाड़ियों का साहस, संघर्ष और संकल्प प्रदेश की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा

नई दृष्टिबिंदु



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एशियन पैरा गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन कर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाले प्रदेश के दो प्रतिभाशाली पैरा खिलाड़ियों तोमन कुमार और अभिजीत सखूजा को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए पैरा तीरंदाजी में स्वर्ण पदक विजेता तोमन कुमार को 51 लाख रुपए और पैरा बैडमिंटन में कांस्य पदक विजेता अभिजीत सखूजा को 31 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को शाल एवं बस्तर कला का प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जीवन में चुनौतियां कितनी भी बड़ी क्यों न हों, यदि मन में दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो सफलता का कोई भी शिखर असंभव नहीं है। तोमन कुमार और अभिजीत सखूजा ने अपने साहस, कठिन परिश्रम और असाधारण खेल प्रतिभा से इसे सिद्ध कर दिखाया है। दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियां केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संघर्ष से सफलता तक की ऐसी प्रेरक गाथाएं हैं, जो प्रदेश के हजारों युवाओं को अपने सपनों को साकार करने का हौसला देंगी।

बालोद जिले के ग्राम नवागांव निवासी तोमन कुमार की सफलता की कहानी अदम्य साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति का उदाहरण है। सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन में सेवा के दौरान वर्ष 2022 में झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के समय हुए आईईडी विस्फोट में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस घटना में उन्हें अपना बायां पैर गंवाना पड़ा। जीवन की इस कठिन परिस्थिति में भी उन्होंने हार नहीं मानी। वर्ष 2023 में पैरा तीरंदाजी की शुरुआत की और निरंतर अभ्यास, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री तोमन कुमार के साहस को नमन करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले इस वीर जवान ने खेल के मैदान में भी अपनी अदम्य इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। नक्सलियों के विस्फोट ने उनका एक पैर जरूर छीन लिया, लेकिन देश के लिए कुछ कर दिखाने का उनका जज्बा नहीं छीन सका। पहले मातृभूमि की रक्षा और अब अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाकर उन्होंने छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

बिलासपुर निवासी अभिजीत सखूजा ने भी अपनी मेहनत और लगन से सफलता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। बचपन से क्लब फुट की शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे श्री सखूजा ने परिस्थितियों को अपने सपनों के आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने पैरा बैडमिंटन को अपना लक्ष्य बनाया और कठिन अभ्यास तथा अनुशासन के बल पर अपनी खेल प्रतिभा को निखारा। एशियन पैरा गेम्स में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने साबित किया कि मजबूत इरादों और निरंतर प्रयास से हर चुनौती को पार किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिजीत सखूजा की उपलब्धि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद जीवन में आगे बढ़ने का सपना देखते हैं। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों के परिवारजनों को भी बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की सफलता के पीछे परिवार का त्याग, विश्वास और प्रोत्साहन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें उचित अवसर, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराने की है। राज्य सरकार इसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। विशेष रूप से पैरा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित करने वाले खिलाड़ियों को आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं के अंतर्गत 3 लाख रुपए तक की टीए-डीए सहायता भी प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि तोमन कुमार और अभिजीत सखूजा आने वाले समय में भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम से सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे तथा अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं और पैरालंपिक में देश के लिए और अधिक पदक जीतेंगे। उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने का नया वातावरण बना है। प्रधानमंत्री के प्रेरक संदेश 'जितना खेलेंगे, उतना ही खिलेंगे' की भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक खेल सुश्री आकांक्षा सिंहा खलखो सहित दोनों खिलाड़ियों के परिवारजन उपस्थित थे।

लोक भवन में दीपावली मिलन समारोह आयोजित, राज्यपाल रमेन डेका ने कर्मचारियों को दीपावली उपहार भेंट किए

नई दृष्टिबिंदु



रायपुर। लोक भवन में राज्यपाल रमेन डेका की उपस्थिति में दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह में लोक भवन के अधिकारियों-कर्मचारियों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर लोक भवन परिवार के सदस्यों और उनके बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

गीत-संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्साह और उमंग का वातावरण बना दिया। समारोह के दौरान लोक भवन के कर्मचारियों और उनके परिजनों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने भी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। राज्यपाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दीपावली के उपहार भी भेंट किए। इस अवसर पर राज्यपाल ने सत्यम योग संस्थान के सदस्यों को भी सम्मानित किया। योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाने और उसके माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने के लिए उन्होंने संस्थान के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

राज्यपाल रमेन डेका ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व आपसी प्रेम, सद्भाव, सहयोग और भाईचारे का संदेश देता है। ऐसे आयोजन सभी को एक-दूसरे के साथ जुड़ने और पारिवारिक आत्मीयता के साथ त्योहार मनाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने समारोह में उत्साहपूर्वक भागीदारी के लिए लोक भवन परिवार के सभी सदस्यों की सराहना की।

समारोह में राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे सहित लोक भवन के अधिकारी-कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

संपादकीय

सामाजिक परिवर्तन मोर्चा से यूपी में क्या बदलाव आएगा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को अभी कुछ महीने बाकी हैं लेकिन इसे लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। अखिलेश यादव राम मंदिर दर्शन के लिए जाने को तैयार हैं,कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता अब बता रही हैं कि जब बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया था तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। गुरुवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने गठबंधन का ऐलान किया है। नए गठबंधन को 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' नाम दिया गया है। यह गठबंधन ने यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा।

यूपी में दलित व मुसलमान वोट बैंक बड़ा वोट बैंक है और यह दोनों वर्ग उसी को अपना वोट देते हैं जो भाजपा को हरा सकता है। फिलहाल दूसरे नंबर पर यूपी में सपा है यानी भाजपा का विकल्प यहां कभी बन सकती है तो सपा बन सकती है ।यानी माना जाता है कि भाजपा को हराने का माद्दा फिलहाल तो सपा में है। कांग्रेस भी यहां सपा के साथ रहकर अपने मुसलमान वोट बैंक को वापस प्राप्त अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है,यही वजह है मुसलमानों को संदेश दिया जाता है कि कांग्रेस ही तुम्हारे दुख को अपना दुख समझकर आंसू बहाती है। यही वजह है कि चंद्रशेखर आजाद ने कहा है कि सामाजिक परिवर्तन मोर्चा कोई तीसरा मोर्चा नहीं है, बल्कि समाज में बदलाव लाने के उद्देश्य से बनाया गया गठबंधन है। यह मोर्चा आने वाले समय में और मजबूत होगा तथा वंचित, शोषित, पीड़ित और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लोगों को एकजुट करेगा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए विपक्षी दलों के बीच बड़े गठबंधन की जरूरत बताई। साथ ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को भी इस मोर्चे में शामिल होने का न्योता दिया।

वहीं AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गठबंधन को लेकर कहा कि सामाजिक परिवर्तन मोर्चा उत्तर प्रदेश में बीजेपी को तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने के लिए एक मजबूत विकल्प बनेगा। ओवैसी ने चंद्रशेखर आजाद को मोर्चे का मुख्यमंत्री चेहरा बनाने की बात भी कहकर कांग्रेस सपा की तुलना में बेहतर व प्रभावी दांव चला है। इससे एक ओर वह दलित व मुसलमानों को एकजुट करना चाहते हैं और यह बताना चाहते हैं कि दोनों एकजुट हो गए तो सत्ता में उनकी बड़ी हिस्सेदारी हो सकती है यानी यूपी में दलित सीएम फिर से बन सकता है। मुसलमानों को सत्ता में ज्यादा हिस्सेदारी मिल सकती है।

चंद्रशेखर आजाद ने बीजेपी को चुनाव में हराने के लिए विपक्षी दलों के एकजुट होने की जरूरत बताई। उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस से सामाजिक परिवर्तन मोर्चे में शामिल होने की अपील की। ऐसा करके रावण ने यूपी की जनता को संदेश दे दिया है कि हम तो यूपी में सत्ता में बदलाव के लिए बड़ा गठबंधन के हिमायती है, सपा ने हमे अपने गठबंधन में शामिल नहीं किया तो हम चाहते हैं कि सपा कांग्रेस हमारे गठबंधन शामिल होकर मजबूत गठबंधन बना सकते है,यूपी मे बदलाव ला सकते है। यानी ओवैसी व रावण का संदेश हैं कि हम भी बदलाव लाना चाहते हैं, हम भाजपा के खिलाफ हैं ।सपा-कांग्रेस के गठबंधन के जवाब में ओवैसी व रावण के गठबंधन से यूपी का राजनीतिक समीकरण बदल सकता है ।यह नया मोर्चा बसपा और सपा-कांग्रेस के दलित-मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाकर चुनावी समीकरण बदल सकता है। इससे निश्चित रूप से समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को नुकसान पहुंच सकता है।

आजाद अंबेडकरवादी और दलित राजनीति के एक प्रमुख युवा चेहरे के रूप में उभरे हैं उनको मायावती की जगह यूपी में दलितों का नेता बनना है। वही औवेसी को यूपी के मुसलमानों को बड़ा नेता बनना है,दोनों अकेले बड़ा नेता नहीं बन सकते इसलिए दोनों मिलकर बड़ा नेता बनना चाहते हैं और दलितों व मुसलमानों को एकजुट उनको उनकी राजनीतिक ताकत का एहसास कराना चाहते हैं। अगर गठबंधन आगामी चुनावों में कम से कम कुछ सीटें जीतने में कामयाब होता है और एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित होता है, तो त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में यह किंगमेकर की भूमिका निभा सकता है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश में एआईएमआईएम और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के मिलकर चुनाव लड़ने के फैसले पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने कड़ा ऐतराज जताया है। आरोप लगाया है कि इससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचेगा। एआईएमआईएम छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए आसिम वकार ने मुस्लिम समुदाय से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा, कहीं ऐसा न हो कि इस बार भी आप भाजपा के छलावे में आ जाएं और अनजाने में उसे फिर से सत्ता में पहुंचा दें।

भगवान बिरसा मुंडा की चारित्रिक विशेषताएं, जो आज भी प्रेरणा का प्रकाशस्तंभ हैं

डॉ. मनमोहन प्रकाश



भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास केवल अंग्रेजी शासन से मुक्ति की गाथा नहीं है, बल्कि यह उन महान जननायकों के साहस, स्वाभिमान, त्याग और संघर्ष की कहानी भी है, जिन्होंने समाज को नई चेतना प्रदान की। भगवान बिरसा मुंडा ऐसे ही महान जननायक थे, जिन्होंने आदिवासी समाज को शोषण, अन्याय और दमन के विरुद्ध संगठित कर स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक अस्मिता का नया संदेश दिया। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी देशवासियों, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणा का प्रकाशस्तंभ है।



15 नवंबर 1875 को वर्तमान झारखंड के उलिहातू गांव में जन्मे बिरसा मुंडा ने अत्यंत साधारण परिस्थितियों में जीवन आरंभ किया। बचपन से ही उनमें असाधारण जिज्ञासा, नेतृत्व क्षमता और अन्याय के प्रति विरोध का भाव था। उन्होंने अपने समाज की गरीबी, बेगारी, जमीनों पर कब्जों तथा ब्रिटिश शासन और शोषक व्यवस्था के अत्याचारों को निकट से देखा और उनकी पीड़ा को महसूस किया। इन परिस्थितियों ने उनके भीतर सामाजिक परिवर्तन और अधिकारों की रक्षा का संकल्प पैदा किया।

बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता उनका अदम्य साहस और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने का दृढ़ संकल्प था। उन्होंने ब्रिटिश शासन तथा शोषणकारी व्यवस्था को चुनौती दी। उनका संघर्ष केवल राजनीतिक सत्ता के विरुद्ध नहीं था, बल्कि आदिवासी समाज के जल, जंगल और जमीन पर पारंपरिक अधिकारों की रक्षा का भी आंदोलन था। वर्ष 1899–1900 का उलगुलान (महान विद्रोह) उनके साहस, संगठन क्षमता और जनचेतना का ऐतिहासिक प्रमाण है।

उनकी दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता सांस्कृतिक स्वाभिमान और सामाजिक जागरण थी। उन्होंने मुंडा समाज को अपनी परंपराओं, सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने समाज को सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास और नशाखोरी से दूर रहने तथा स्वच्छ, अनुशासित और नैतिक जीवन अपनाने का संदेश दिया। उनका विश्वास था कि किसी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, आत्मसम्मान और जागरूकता में निहित होती है।

उनका नेतृत्व भी अद्वितीय था। उन्होंने बिखरे हुए आदिवासी समुदाय को एकजुट कर सामूहिक संघर्ष की शक्ति में बदल दिया। उनका नेतृत्व व्यक्तिगत स्वार्थ से प्रेरित नहीं था, बल्कि समाज के अधिकारों, सम्मान और भविष्य की रक्षा के लिए समर्पित था। उन्होंने सिद्ध किया कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति, स्पष्ट विचार और सामूहिक संकल्प से बड़े परिवर्तन की नींव रखी जा सकती है।

त्याग, समर्पण और निस्वार्थ सेवा उनके चरित्र के अन्य प्रेरक पक्ष थे। उन्होंने व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं की अपेक्षा अपने समाज के हितों को प्राथमिकता दी। ब्रिटिश शासन ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और 9 जून 1900 को मात्र 25 वर्ष की आयु में रांची जेल में उनका निधन हो गया। किंतु उनका संघर्ष व्यर्थ नहीं गया। उनके आंदोलन ने आदिवासी भूमि अधिकारों के प्रश्न को व्यापक पहचान दिलाई और आगे चलकर 'छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908' (सीएनटीए) के माध्यम से आदिवासी भूमि के संरक्षण को महत्वपूर्ण कानूनी आधार मिला।

आज जब समाज अनेक प्रकार की चुनौतियों से गुजर रहा है, तब बिरसा मुंडा का जीवन हमें अन्याय के सामने न झुकने, अपनी संस्कृति और पहचान का सम्मान करने, सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध खड़े होने तथा सामूहिक हितों के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उनका व्यक्तित्व सिखाता है कि महानता उम्र, पद, संसाधनों, जाति, धर्म या भाषा से तय नहीं होती, बल्कि विचारों की दृढ़ता, चरित्र की निष्ठा और कर्मों की सार्थकता से निर्धारित होती है।

भगवान बिरसा मुंडा केवल आदिवासी समाज के नायक नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के स्वाभिमान, साहस, सामाजिक न्याय और स्वतंत्रता चेतना के प्रतीक हैं। उनकी जयंती 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाना उनके योगदान के प्रति राष्ट्रीय सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। यह दिवस हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर ऐसे समाज के निर्माण का मार्ग दिखाता है जहां हर व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर और न्याय मिले। यही भगवान बिरसा मुंडा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

छठ महापर्व 2026 - डूबते सूर्य को प्रणाम, उगते सूर्य को सलाम !

डॉ. प्रियंका सौरभ

छठ महापर्व भारतीय संस्कृति, लोकआस्था और प्रकृति उपासना का एक ऐसा अनुपम पर्व है, जिसमें श्रद्धा, तपस्या, अनुशासन, स्वच्छता और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और जीवन के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश भी देता है। भगवान सूर्य और छठी मैया को समर्पित यह महापर्व भारतीय लोकसंस्कृति की समृद्ध परंपरा और अटूट विश्वास का प्रतीक है।



वर्ष 2026 में छठ महापर्व 13 नवंबर से 16 नवंबर तक मनाया जा रहा है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इस दिन व्रती स्नान करके घर और आसपास के वातावरण की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हैं तथा सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन खरना का अनुष्ठान किया जाता है। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं और शाम को पूजा के बाद गुड़ की खीर तथा रोटी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बाद लगभग 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत आरंभ होता है, जिसमें व्रती पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हैं।

छठ महापर्व का तीसरा दिन विशेष महत्व रखता है। इस दिन संध्या अर्घ्य दिया जाता है। श्रद्धालु परिवार के सदस्यों के साथ नदी, तालाब और अन्य जलाशयों के किनारे पहुंचते हैं। बांस के सूप और दउरा में फल, नारियल, गन्ना, ठेकुआ तथा अन्य पारंपरिक प्रसाद सजाए जाते हैं। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की जाती है। घाटों पर जलते दीपक, गूंजते छठ गीत और श्रद्धालुओं की अपार भीड़ इस पर्व की आध्यात्मिक सुंदरता को और अधिक मनमोहक बना देती है। चौथे और अंतिम दिन प्रातःकाल उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके साथ ही व्रत का पारण होता है और चार दिवसीय महापर्व संपन्न हो जाता है।

छठ पूजा की सबसे अनूठी विशेषता यह है कि इसमें डूबते और उगते दोनों सूर्य की उपासना की जाती है। यह परंपरा हमें जीवन का एक गहरा संदेश देती है कि हमें केवल सफलता और उपलब्धियों का ही सम्मान नहीं करना चाहिए, बल्कि संघर्ष, अनुभव और जीवन के प्रत्येक पड़ाव को भी समान महत्व देना चाहिए। डूबते सूर्य को अर्घ्य देना इस बात का प्रतीक है कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति का अपना महत्व होता है। वहीं उगते सूर्य की आराधना नई ऊर्जा, नई आशा और सकारात्मक शुरुआत का संदेश देती है। वास्तव में, यह पर्व हमें सिखाता है कि विनम्रता और कृतज्ञता ही जीवन की सच्ची सुंदरता हैं।

छठ महापर्व का प्रकृति संरक्षण से भी गहरा संबंध है। इस पर्व में सूर्य, जल, वायु, पृथ्वी और वनस्पतियों के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। पूजा में बांस के सूप, मिट्टी के दीपक, मौसमी फल और प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग हमें पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देता है। नदी और तालाबों के किनारे पूजा करने की परंपरा जलस्रोतों के महत्व को रेखांकित करती है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जल प्रदूषण और पर्यावरण संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब छठ महापर्व का प्रकृति-सम्मत संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकृति केवल हमारे उपयोग की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का आधार है। इसलिए इसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।

छठ महापर्व सामाजिक समरसता और भाईचारे का भी अनुपम उदाहरण है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा और आर्थिक स्थिति के भेदभाव पीछे छूट जाते हैं। समाज के सभी लोग मिलकर घाटों की सफाई करते हैं, रास्तों को सजाते हैं और व्रतियों की सहायता करते हैं। छठ के पारंपरिक लोकगीत इस पर्व की आत्मा हैं। इन गीतों में मां की ममता, परिवार के प्रति प्रेम, संतान की खुशहाली और सूर्यदेव के प्रति अटूट श्रद्धा की सुंदर अभिव्यक्ति देखने को मिलती है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश से शुरू होकर यह पर्व आज देश के अनेक राज्यों और विदेशों में भी बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित अनेक क्षेत्रों में इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतीय लोकसंस्कृति की जड़ें कितनी गहरी और व्यापक हैं।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ और व्यस्तता के बीच छठ महापर्व हमें संयम, धैर्य, अनुशासन और पारिवारिक एकता का महत्व समझाता है। यह पर्व हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने, जरूरतमंदों की सहायता करने और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। हालांकि व्रत की कठोरता को देखते हुए स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतना भी आवश्यक है, क्योंकि निर्जला उपवास हर व्यक्ति के लिए सुरक्षित नहीं होता। श्रद्धा के साथ अपनी शारीरिक क्षमता और स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

वर्तमान समय में छठ महापर्व की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है। यह पर्व हमें भारतीय संस्कृति की महान परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों का भी एहसास कराता है। आज आवश्यकता है कि हम केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न रहें, बल्कि स्वच्छ घाट, निर्मल जल, प्रदूषणमुक्त वातावरण और सामाजिक सद्भाव को भी अपनी प्राथमिकता बनाएं। यदि हम छठ महापर्व के मूल संदेश को अपने जीवन में उतार सकें, तो यह पर्व केवल चार दिनों का धार्मिक आयोजन न रहकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है।

अंततः कहा जा सकता है कि छठ महापर्व भारतीय लोकजीवन की अमूल्य धरोहर और हमारी सांस्कृतिक पहचान का गौरव है। यह हमें सिखाता है कि प्रकृति का सम्मान, परिवार के प्रति समर्पण, समाज के प्रति जिम्मेदारी और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण ही सच्चे मानवीय मूल्यों का आधार हैं। आइए, छठ महापर्व 2026 के पावन अवसर पर हम सभी संकल्प लें कि प्रकृति की रक्षा करेंगे, जलस्रोतों को स्वच्छ रखेंगे, समाज में प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देंगे तथा इस महान सांस्कृतिक परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएंगे।

डूबते सूर्य को प्रणाम, उगते सूर्य को सलाम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का नाम है छठ महापर्व !

भजन क्लबिंग: भक्ति की क्लब संस्कृति की नई दस्तक

ललित गर्ग

अध्यात्म अब केवल उम्र के आखिरी पड़ाव की चीज नहीं रहा। वह युवाओं की धड़कनों में शामिल हो रहा है। डिजिटल युग की भागदौड़, अकेलेपन, तनाव और निरंतर स्क्रीन-उपस्थिति के बीच नई पीढ़ी भक्ति के ऐसे रूप तलाश रही है, जो उसके जीवन की गति और उसकी अभिव्यक्ति से जुड़ सके। इसी बदलते सामाजिक परिदृश्य में ह्यभजन क्लबिंगह्ण एक नई और रोचक सांस्कृतिक प्रवृत्ति के रूप में सामने आई है। भजन क्लबिंग का अर्थ है-भजन, कीर्तन और भक्ति-संगीत को पारंपरिक धार्मिक आयोजन की सीमाओं से बाहर निकालकर ऐसे सामूहिक वातावरण में प्रस्तुत करना, जहाँ युवा गाते हैं, झूमते हैं, नृत्य करते हैं और संगीत की लय में स्वयं को विसर्जित करते हैं। वातावरण में आधुनिक संगीत की ऊर्जा होती है, लेकिन केंद्र में भक्ति रहती है। इसे एक तरह से दलब की ऊर्जा और सत्संग की आत्मीयता का संगम कहा जा सकता है। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लंबे समय से यह धारणा रही है कि धर्म और अध्यात्म वृद्ध पीढ़ी के विषय हैं। नई पीढ़ी आधुनिकता, तर्क और तकनीक के साथ आगे बढ़ते हुए धार्मिक अनुष्ठानों से दूरी बना रही है। लेकिन भजन क्लबिंग का उभार इस धारणा को चुनौती देता दिखाई दे रहा है। युवा यह कह रहे हैं कि आध्यात्मिकता चाहिए, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति उनकी भाषा और उनके समय के अनुरूप भी हो सकती है।

भारत में क्लब संस्कृति का विकास मुख्यतः मनोरंजन, संगीत, नृत्य और सामाजिक मेल-जोल के माध्यम के रूप में हुआ। देर रात तक चलने वाले कार्यक्रमों में तेज संगीत, चमकती रोशनी और आधुनिक जीवनशैली का प्रभाव दिखाई देता रहा। अब उसी सामाजिक ढाँचे में भक्ति का प्रवेश अपने आप में सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। भजन क्लबिंग में सामान्यतः शराब, धूम्रपान और नशीले पदार्थों के स्थान पर भक्ति-संगीत, सामूहिक गायन और सकारात्मक ऊर्जा को महत्व दिया जाता है। यह अंतर बहुत महत्वपूर्ण है। युवा यदि रात के समय मनोरंजन के लिए बाहर निकलते हैं तो उन्हें ऐसा विकल्प मिलना, जहाँ आनंद के साथ आत्मिक जुड़ाव भी हो, निश्चित रूप से विचारणीय है। इसमें एक और महत्वपूर्ण पक्ष है-सामूहिकता। सोशल मीडिया ने लोगों को आभासी रूप से जोड़ दिया है, लेकिन वास्तविक जीवन में अकेलापन बढ़ा है। हजारों डिजिटल मित्रों के बावजूद मनुष्य कई बार स्वयं को अकेला पाता है। भजन क्लब में अनजान लोग भी एक स्वर में गाते हैं। कुछ समय के लिए मोबाइल दूर होता है और मनुष्य मनुष्य के निकट आता है। यह अनुभव मानसिक स्तर पर भी राहत दे सकता है।

आज का युवा केवल उपदेश सुनना नहीं चाहता, वह अनुभव करना चाहता है। वह किसी बात को इसलिए स्वीकार नहीं करता कि परंपरा ऐसा कहती है। वह जानना चाहता है-इससे मुझे क्या मिलेगा? भजन क्लबिंग इसी प्रश्न का एक व्यावहारिक उत्तर देती प्रतीत होती है। संगीत मनुष्य की भावनाओं को सीधे प्रभावित करता है। सामूहिक गायन में व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत सीमाओं से ऊपर उठकर समूह का हिस्सा बन जाता है। जब सैकड़ों लोग एक साथ राम, महावीर, शिव, कृष्ण या किसी अन्य आराध्य का स्मरण करते हैं तो वातावरण में सामूहिक ऊर्जा पैदा होती है। जैन दृष्टि से देखें तो भक्ति का मूल उद्देश्य केवल बाहरी उल्लास नहीं, बल्कि आत्मा की ओर यात्रा है। नवकार मंत्र, स्तवन, भक्तामर, मंगल पाठ या तीर्थंकरों की स्तुति यदि संगीत के माध्यम से युवा मन तक पहुँचती है तो यह स्वागतयोग्य प्रयोग हो सकता है-बशर्ते भक्ति मनोरंजन में विलीन न हो जाए। यहीं इस पूरी प्रवृत्ति की सबसे बड़ी कसौटी है। भारत के सार्वजनिक जीवन में भी पिछले कुछ वर्षों में आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक चेतना की सार्वजनिक अभिव्यक्ति अधिक दिखाई देने लगी है।

दीये जलाओ, धुआं नहीं

हर्षिता सिंह, आईआईएमसी जम्मू



वर्तमान में प्रदूषण के स्तर को देखते हुए हैरानी होती है कि लोग अभी तक ज़िंदा कैसे हैं। यह कहना है दिल्ली के अत्यधिक वायु प्रदूषण और खराब एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) को लेकर एम्स के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के डॉक्टर विजय हड्डा का। उन्होंने इस बढ़ते प्रदूषण में भी जीवित रह जाने पर हैरत जताने के साथ-साथ यह भी बताया कि आज अगर कोई स्त्री माँ बनती है, तो उसकी कोख में पल रहे बच्चे के मस्तिष्क विकास में कितनी बाधाएँ हैं।

हम रोज आँकड़े पढ़ते हैं, खबरों में, रिपोर्टस में देखते हैं कि एक व्यक्ति हर मिनट कम से कम 20 बार साँस लेता है और हर बार लगभग आधा लीटर हवा अंदर खींचता है, जिससे पूरे दिन में बेहद खतरनाक मात्रा में जहरीला धुआँ फेफड़ों में जा रहा है। इन सबके बावजूद भी अगर कोई हमें दीवाली पर पटाखे न जलाने की सलाह देता है, तो इस पर हमारी धार्मिक भावनाएँ आहत हो जाती हैं। देश की इतनी बड़ी जनसंख्या के जीवन पर मंडरा रहे खतरे को धार्मिक मुद्दा करार दे दिया जाता है। फिर देश के सत्ताधारियों का बयान आता है कि अगर जनता ने एक दिन पटाखे फोड़कर दीवाली मनाई है और इससे थोड़ा प्रदूषण हुआ भी है, तो वह अपने आप समाप्त हो जाएगा।

देखकर खेद होता है कि आज जनता धर्म के पीछेइतनी अंधी हो गई है कि अगर नदियों की स्वच्छता के लिए पर्यावरण-अनुकूल मूर्ति की बात करो, या धार्मिक स्थलों में लाउडस्पीकर बंद करने की बात करो, या आज दीवाली पर पटाखे न जलाने की बात करो - आज हर सामाजिक मुद्दे को धर्म का चोला पहनाकर जनता को आपस में विभाजित कर दिया जाता है।

हमें इतनी बुद्धिमत्ता अपने साथ रखनी होगी कि जब भगवान श्री राम वनवास पूरा कर वापस अयोध्या लौटे थे, तो उनकी खुशी में गाँव वालों ने मिट्टी के दीपक जलाए थे (दीपोत्सव), न कि पटाखे फोड़े थे। जिन पटाखों को फोड़ने से मना करने पर आपकी धार्मिक व सांस्कृतिक भावनाएँ आहत हो जाती हैं, वे पटाखे हमारी संस्कृति का हिस्सा हैं ही नहीं। पटाखों की पैदाइश चीन की है और इसे भारत पहुँचाने का जरिया मुगल (विशेषकर बाबर) और पुर्तगाली थे।

दीवाली के बाद दिल्ली का औसत अदक370 से 400 के पार (गंभीर श्रेणी) दर्ज किया गया। वहीं जहाँगीरपुरी और डीटीयू जैसे कुछ इलाकों में PM 2.5 का स्तर अत्यधिक बढ़ने से निजी और अंतरराष्ट्रीय पैमानों पर अदका1000 से 3000 के पार पहुँच गया।

देश भर में छाई संकट की इस काली धुंध को देखते हुए भी आज हम अपनी आने वाली नस्लों की परवाह न करते हुए उस धर्म को बचाने में लगे हैं, जिसका मूल ही मनुष्य है, और पटाखे जलाने की जानलेवा प्रथा को अपनी उस महान संस्कृति से जोड़ रहे हैं, जिसका मूल ही 'सर्वे सन्तु निरामयाः' है।

जीवन के अंधेरों से टकराने की चेतना देने वाले कवि... गजानन माधव मुक्तिबोध

अभिषेक कुमार तिवारी

गजानन माधव मुक्तिबोध के बारे में सोचते ही उनके भीतर के कवि, विचारक और आलोचक की छवि बनती है। लेकिन उनके जीवन के कुछ ऐसे प्रसंग हैं, जो उन्हें एक अलग ही रूप में सामने लाते हैं। उनके बेटे आदरणीय दिवाकर मुक्तिबोध जी के संस्मरणों को पढ़कर मुझे ऐसे ही मुक्तिबोध को जानने का अवसर मिला।

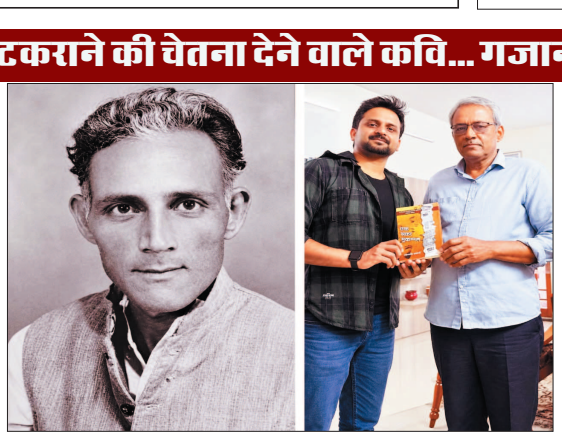

कल्पना कीजिए, हिंदी का इतना गंभीर और वैचारिक कवि इब्ने सफी के जासूसी उपन्यासों का भी शौकीन था। बेटा जासूसी किताबें पढ़ता तो वे कभी रोकते नहीं थे। खुद लिखते-लिखते थक जाते तो उससे किताब मांगकर पढ़ते। कर्नल विनोद और कैप्टन हमीद उनके भी पसंदीदा पात्र थे। बच्चों को गोद में लेकर कविता पाठ करते थे। अपनी कहानी 'ब्रह्मराक्षस का शिष्य' बच्चों को ऐसे सुनाते कि वे एक अलग दुनिया में पहुंच जाते। बेटे के साथ शतरंज खेलते और उसे जिताने के लिए जानबूझकर गलत चाल चल देते। बेटे की अच्छी लिखावट के कारण उससे अपनी कविताएं कॉपी करवाते थे।

एक प्रसंग भीतर तक छूता है। बेटे के पैर की सर्जरी के दौरान उन्होंने उसके दोनों पैर कसकर पकड़ रखे थे। ऑपरेशन के बाद बेटे ने देखा कि पिता का चेहरा पसीने से तर-बतर था। वर्षों बाद भी वह दृश्य उसकी स्मृति में जीवित है। यह उस संवेदनशील पिता की तस्वीर है, जो अपनी संतान की पीड़ा को खुद महसूस कर रहा था।

मुक्तिबोध की रुचियां भी कम दिलचस्प नहीं थीं। वे अच्छे तैराक थे। सुबह पौ फटने से पहले उठते, अपनी चाय खुद बनाते और पढ़ने-लिखने बैठ जाते। बेटे की हथेली की उलझी हुई रेखाओं को देर तक देखकर उनका अर्थ समझने की कोशिश करते थे। पारिवारिक धार्मिक परंपराओं का सम्मान करते थे, लेकिन अपनी वैचारिक स्वतंत्रता से समझौता नहीं करते थे।

उनका जीवन आर्थिक संघर्षों, नौकरी की अनिश्चितता और लगातार लेखन के बीच बीता। आकाशवाणी की नौकरी छोड़कर 'नया खून' साप्ताहिक का संपादन संभाला। बाद में राजनांदगांव के दिग्विजय महाविद्यालय में प्राध्यापक बने। यहां मिले मानसिक सुकून और साहित्यिक वातावरण ने उनकी रचनात्मकता को नया विस्तार दिया। 1959 से 1964 के बीच का राजनांदगांव प्रवास उनके जीवन का महत्वपूर्ण सृजनकाल रहा। इसी दौरान 'अंधेरे में' जैसी कालजयी कविता पूरी हुई।

14 नवंबर 1963 को श्रीकांत वर्मा को लिखे पत्र में छत्तीसगढ़ के प्रति उनका आभार इन शब्दों में सामने आया था- वे उस छत्तीसगढ़ के ऋणी हैं, जिसने उन्हें और उनके बच्चों को शांतिपूर्वक जीने का क्षेत्र दिया। यहां उन्हें छोटे-बड़े ऐसे लोग मिले, जिन्होंने उन्हें अपनाया, सम्मान दिया और संकटों से बचाया। यह रिश्ता केवल एक नौकरी या निवास का नहीं, आत्मीयता का था।

एक व्यक्तिगत बात भी साझा करना चाहता हूं। 2013 में लखनऊ से रायपुर आकर पत्रकारिता शुरू करने में भी उनका नाम एक वजह बना। एक दिन लखनऊ में मेरे एक वरिष्ठ पत्रकार साथी ने पूछा था- रायपुर जाओगे? मुक्तिबोध जी के साथ काम करने का मौका है। नाम सुनते ही मैंने हामी भर दी। वे आदरणीय दिवाकर मुक्तिबोध जी थे, जो उस समय 'अमन पथ' के संपादक थे। इस तरह मुक्तिबोध का नाम मेरे पत्रकारिता जीवन की शुरूआत से भी जुड़ गया।

एक लेखक को उसकी रचनाओं से जाना जाता है, लेकिन उसके जीवन के छोटे-छोटे प्रसंग उसे समझने की नई दृष्टि देते हैं। मुक्तिबोध के बारे में दिवाकर जी के संस्मरण पढ़कर यही महसूस हुआ कि उनके भीतर जितना गहरा विचारक और लेखक था, उतना ही कोमल हृदय और संवेदनशील इंसान भी था।

आदरणीय दिवाकर मुक्तिबोध जी का आभार, जिन्होंने अपनी पुस्तक 'एक सफर मुकम्मल' में पिता की ऐसी स्मृतियां सहेजीं, जिनसे मुक्तिबोध को पढ़ने के साथ-साथ उन्हें करीब से जानने का अवसर मिलता है। गजानन माधव मुक्तिबोध जी की 109वीं जयंती पर उन्हें याद करते हुए सादर नमन।



अब इमोशनली समझदार और मेंटली स्ट्रॉन्ग हूं

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, 'वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।'

अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।'

अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं। अभिनेत्री से सवाल किया, 'शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव लैंग्वेज को लेकर भी क्रिटिसिज्म हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?'

इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री हर्षिता गौर ने कहा, 'असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।'



भंसाली की माइथोलॉजिकल फिल्म में करीना की एंट्री

संजय लीला भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हाल ही में मित्रन ने फिल्म को लेकर अपडेट शेयर किया है।

क्या साथ नजर आएंगे करीना और धनुष?



निर्देशक पीएस मित्रन ने बताया कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए करीना कपूर खान और धनुष के साथ बातचीत चल रही है। पीएस मित्रन इन दिनों 'सरदार 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान 'सिनेमा विकटन' से बात करते हुए मित्रन ने कहा, 'करीना और धनुष से बातचीत चल रही है, हम कन्फर्मेशन के लिए तारीखें देख रहे हैं। उम्मीद है कि इससे कुछ अच्छा नतीजा निकलेगा।' मित्रन के इस अपडेट के बाद भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म के लिए करीना और धनुष के साथ आने की खबरों ने जोर पकड़ लिया है।

इसी साल शूटिंग शुरू होने की उम्मीद

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाए जाने की तैयारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट अभी लिखने के स्टेज पर है और फाइनल होने से पहले इसकी स्क्रिप्ट को कई बार फिर से लिखा गया है। उसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नवंबर 2026 में प्री-प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, जनवरी 2027 में मुख्य शूटिंग की योजना है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो यह हिंदी सिनेमा में मित्रन के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। इसी के साथ इस फिल्म में धनुष और करीना कपूर खान पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, 2000 के दशक की शुरुआत में मनमुटाव के बाद संजय लीला भंसाली के साथ करीना इस फिल्म में पहली बार काम करेंगी।

क्या सुलझ गया करीना और भंसाली का पुराना विवाद?

बता दें कि संजय लीला भंसाली ने साल 2002 में फिल्म 'देवदास' बनाई थी। कथित तौर पर इस फिल्म के लिए करीना कपूर को पारो की भूमिका के लिए अप्रोच किया था। अभिनेत्री ने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था। हालांकि, बाद में पारो के रोल के लिए भंसाली ने ऐश्वर्या राय बच्चन को चुन लिया। 2002 में फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा था, 'उन्होंने मेरे साथ जो किया, वह गलत था। उन्होंने 'देवदास' (2002) के लिए मेरा स्क्रीन टेस्ट लिया। मुझे साइनिंग अमाउंट दिया और फिर किसी और को ले लिया। यह गलत था और मुझे इसलिए ज्यादा बुरा लगा, क्योंकि मैं अपने करियर की शुरुआत में थी'।

भंसाली ने क्या कहा था?

भंसाली ने कहा था कि करीना ने ही इस रोल के लिए उनसे संपर्क किया था और स्क्रीन टेस्ट का मतलब यह पक्का होना नहीं था कि उन्हें फिल्म में कास्ट किया जाएगा। जुलाई 2002 में फिल्मफेयर से बात करते हुए उन्होंने याद किया कि करीना डिजाइनर नीता लुल्ला के साथ उनके घर आई थीं। भंसाली ने कहा कि उन्होंने स्क्रीन टेस्ट तो किया था, लेकिन इसका मतलब यह पक्का नहीं था कि करीना को फिल्म में कास्ट किया जाएगा। बता दें कि अगर भंसाली की फिल्म में करीना नजर आती हैं, तो यह माना जा सकता है कि निर्देशक के साथ उनका पुराना मनमुटाव खत्म हो चुका है। करीना के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे मेघना गुलजार निर्देशित फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी।





स्क्रीन पर कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी

टेलीविजन अभिनेत्री समीक्षा भटनागर इन दिनों टीवी सीरियल 'अनुपमा' में श्रुति आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें श्रुति का दिलचस्प किरदार करने और डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, 'टीवी सीरियल अनुपमा पहले से बहुत लोकप्रिय शो है, जब मुझे डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस की तरफ से मुझे श्रुति आहूजा का किरदार निभाने को मिला, तो मैंने सबसे पहले उसे समझा। मुझे लगा कि इसमें दम है और यह मुझ पर सूट करता है। इसी बात ने मुझे जल्दी से रोल करने के लिए मना लिया और अब लोगों को भी यह किरदार पसंद आ रहा है।' अभिनेत्री ने आगे श्रुति आहूजा के किरदार के बारे में बताया, 'हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है और श्रुति आहूजा का किरदार भी कुछ ऐसा ही था। वह एक मां है, जिन्हें अपनी बेटी के लिए खुद को जस्टिफाई करना पड़ता है। वह अपनी बेटी से प्यार करती हैं, लेकिन वह एक नेगेटिव कैरेक्टर नहीं है और मैं नहीं चाहती थी कि लोग उन्हें उस तरह से देखें।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि जब भी उन्हें कोई रोल ऑफर होता है, तो वह पहले अपने किरदार के बारे में सोचती हैं कि उसमें क्या नयापन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे कोई रोल ऑफर होता है, तो मेरे लिए यह समझना बहुत जरूरी होता है कि मैं उस किरदार में क्या ला सकती हूं। एक एक्टर के तौर पर, मैं उसमें क्या योगदान दे सकती हूं? उसके बाद, कैरेक्टर के बारे में मेरी समझ बहुत जरूरी हो जाती है। मेरे लिए स्क्रीन पर रोल के साथ जस्टिस करना और यह पक्का करना भी उतना ही जरूरी है कि लोग उससे कनेक्ट करें।'

मेरे लिए जन्मदिन खुद के बारे में सोचने का एक समय है

'दृश्यम' और 'बेपनाह' जैसी फिल्मों और टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं एक्ट्रेस इशिता दत्ता बुधवार को अपना 36वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास दिन पर उन्होंने अपनी जिंदगी और अब तक की जर्नी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके लिए बर्थडे वह समय होता है, जब वह थोड़ा रुककर जिंदगी को देखती हैं और सोचती हैं कि अब तक उन्होंने क्या हासिल किया है। एक्ट्रेस का कहना है कि जिंदगी में आगे बढ़ने और नए सपने देखने जरूरी हैं, लेकिन साथ ही उन चीजों की कद्र करना भी जरूरी है, जो हमारे पास पहले से मौजूद हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में इशिता ने अपने इस साल के अनुभव को शेयर किया।

उन्होंने कहा, ''जब मैं पीछे मुड़कर अपने बीते साल को देखती हूं, तो मुझे अपनी जिंदगी के लिए सिर्फ खुशी और आभार महसूस होता है। ऐसे कई मौके आए, जब मुझे महसूस हुआ कि मैं वाकई बहुत लकी हूं कि ऐसी जिंदगी जी रही हूं। जाहिर है, जिंदगी में हमेशा कुछ नया हासिल करने और आगे बढ़ने की इच्छा रहती है। कुछ नए लक्ष्य होते हैं और कुछ ऐसी जगहें होती हैं, जहां हम पहुंचना चाहते हैं। लेकिन, हमारे पास पहले से जो कुछ है, उसे देखना और उसकी कद्र करना भी बहुत जरूरी है। इस जन्मदिन पर मैं बस इन्हीं चीजों के लिए बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं।'' इशिता इस समय अपनी अपकमिंग प्रोजेक्ट 'घमासान' के प्रमोशन में बिजी हैं। यह जी5 पर स्ट्रीम होने वाला है। एक्ट्रेस ने कहा, ''इस प्रोजेक्ट का अनुभव मेरे लिए बहुत शानदार रहा है। मेरे जन्मदिन के आसपास इसका प्रमोशन करना काफी स्पेशल लग रहा है। किसी भी प्रोजेक्ट में आप अपनी पूरी मेहनत लगाते हैं और फिर एक ऐसा वक्त आता है, जब आप उसे ऑडियंस के सामने लेकर जाते हैं। अब मैं यह देखने के लिए काफी उत्साहित हूं कि लोगों का इस प्रोजेक्ट को लेकर कैसा रिएक्शन आता है।'' इशिता ने बताया, ''मैं इस नए साल को लेकर खुद पर ज्यादा प्रेशर नहीं डालना चाहती। मैं बस इसे जीना चाहती हूं, इसका मजा लेना चाहती हूं और इसमें पूरी तरह मौजूद रहना चाहती हूं। मैं ऐसा काम करती रहना चाहती हूं, जिससे मुझे खुशी मिले। मैं उन लोगों के साथ वक्त बिताना चाहती हूं, जो मेरे लिए मायने रखते हैं और लगातार कुछ नया सीखना चाहती हूं। अगर मैं ऐसा कर पाई, तो मुझे लगता है कि मेरा साल काफी खूबसूरत रहेगा।'' वर्कफ्रंट की बात करें तो इशिता आने वाले समय में 'दृश्यम 3' में दिखाई देंगी। 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी को दर्शकों का खूब प्यार मिला है और अब इसका तीसरा पार्ट इस कहानी का आखिरी चैप्टर होने वाला है।





सिंह वर्सेस कौर 2 में कॉमेडी, लव स्टोरी, एक्शन और ड्रामा का तड़का

एक्टर गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर 2' के प्रमोशन में बिजी हैं। दिल्ली में हुए एक मीडिया मीट के दौरान दोनों ने फिल्म से जुड़े अपने एक्सपीरियंस शेयर किए और बताया कि वह फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए पहली बार गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल की जोड़ी पर्दे पर साथ नजर आएगी। फिल्म 11 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें कॉमेडी, रोमांस, इमोशन, एक्शन और ड्रामा का पूरा डोज देखने को मिलेगा।

आईएएनएस से बातचीत में गिप्पी ग्रेवाल ने फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा, ''फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर 2' को लेकर मैं काफी एक्साइटेड हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। मैं और शहनाज गिल पहली बार किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। फिल्म के पहले पार्ट को दर्शकों का काफी प्यार मिला था और इसी वजह से दूसरे पार्ट से भी हमारी काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिल्म में कॉमेडी, लव स्टोरी, इमोशन्स, एक्शन और ड्रामा सब कुछ देखने को मिलेगा। पंजाबी सिनेमा में इस तरह की फिल्में कम देखने को मिलती हैं, इसलिए यह फिल्म दर्शकों के लिए एक अलग एक्सपीरियंस साबित होगी।''

गिप्पी ने फिल्म के म्यूजिक को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म में कुल सात गाने हैं, जिनमें रोमांटिक से लेकर देसी और भांगड़ा नंबर तक शामिल हैं। फिल्म के दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जबकि आने वाले दिनों में एक और गाना रिलीज किया जाएगा, जिसमें बी प्राक शामिल हैं। गिप्पी ग्रेवाल ने अपने किरदार के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, ''मैं फिल्म में निहाल सिंह का किरदार निभा रहा हूं, जो एक पिंड का देसी लड़का है। उसका किसी काम में मन नहीं लगता। वह अक्सर काम से बचने के लिए बहाने बनाता है और कई बार झूठ भी बोलता है। वह उल्टे-सीधे काम करता रहता है, लेकिन कहानी आगे बढ़ने के साथ उसकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आता है। निहाल सिंह एक बड़ी जिम्मेदारी उठाने का फैसला करता है और इसी जिम्मेदारी को निभाने के दौरान उसकी जिंदगी में कई तरह की मुश्किलें आती हैं। अब वह इस जिम्मेदारी को कैसे निभाता है और इसके चक्कर में उसे किन हालातों से गुजरना पड़ता है, यही फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा है।''

शहनाज गिल ने भी फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा, ''जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि मैं सिर्फ अच्छे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना पसंद करती हूं और 'सिंह वर्सेस कौर 2' भी मेरे लिए ऐसा ही एक शानदार प्रोजेक्ट है। फिल्म में मैं एक बंगाली लड़की का किरदार निभा रही हूं। मेरा किरदार बंगाली लड़की का क्यों है और कहानी में उसकी क्या भूमिका है, यह दर्शकों को फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा। इस किरदार को निभाना मेरे लिए आसान नहीं था, क्योंकि मैं खुद पंजाबी हूं और बंगाली भाषा बोलने में मुझे शुरुआत में काफी परेशानी हुई। हालांकि, मुझे इसके लिए ट्रेनिंग दी गई और इसी ट्रेनिंग की मदद से मैं किरदार को सही तरीके से निभा पाई।'' शहनाज ने शूटिंग के दौरान की मस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पूरी टीम ने शूटिंग के दौरान खूब मजे किए और सेट पर माहौल काफी अच्छा रहा। जब फिल्म की शूटिंग खत्म हुई तो पूरी टीम थोड़ी उदास हो गई थी। सभी को एक-दूसरे की कमी महसूस हुई थी। अब फिल्म की बात करें तो 'सिंह वर्सेस कौर 2' को नवनीत सिंह ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल के साथ प्रिंस कंवलजीत सिंह, रघबीर बोली, हनी मट्टू, गुलजार चहल, रुपिंदर रूपी, गुरप्रीत भंगू, गुरमीत साजन और भाना ला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म को गिप्पी ग्रेवाल, रवनीत कौर ग्रेवाल, श्रीकांत मोहता और महेंद्र सोनी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी गुरप्रीत सेहजी ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले कपिल चोपड़ा और गुरप्रीत सहजी ने तैयार किया है। डायलॉग्स चंचल डाबरा और गुरप्रीत सहजी ने लिखे हैं।



क्या आप इंसोमनिया के साथ ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से भी जूझ रहे हैं

एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' के कॉकटेल यानी 'कॉस्मिया' को ज्यादा घातक करार दिया गया है। शोधकर्ताओं ने इसका सामना करने वाले लोगों में हृदयरोगों से मौत का खतरा कई गुना ज्यादा पाया है।

सबसे आम बीमारियां

विशेषज्ञों के मुताबिक 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' नींद से जुड़ी सबसे आम बीमारियां हैं। वैश्विक स्तर पर 10 से 30 फीसदी आबादी के इनके शिकार होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में ऐसे पीड़ित भी मौजूद हैं, जिन्हें दोनों की शिकायत होती है।

क्या हैं प्रमुख लक्षण

फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि 'इंसोमनिया' में व्यक्ति को सोने में दिक्कत, बार-बार नींद टूटने और जल्द आंख खुलने की शिकायत सताती है। वहीं, 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' में खर्राटे, गला चोक होने और सांस लेने में तकलीफ की समस्या आम है।

हाइपरटेंशन

डॉ. बेस्टियन लेवत के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने नींद की बीमारियों से जूझ रहे 5000 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया। इस दौरान 'कॉस्मिया' के शिकार लोगों में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) का खतरा दोगुना मिला। उनमें हृदयरोगों की आशंका भी 70 फीसदी ज्यादा पाई गई।

असामयिक मौत का खतरा

कॉस्मिया से पीड़ित लोगों के वक्त से पहले मौत का शिकार होने का जोखिम भी 47 फीसदी अधिक दर्ज किया गया है। चूंकि, 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' का कॉकटेल ज्यादा जानलेवा है, इसलिए एक का सामना कर रहे मरीज में दूसरे के लक्षणों पर भी गौर फरमाना जरूरी है।





कोलेस्ट्रॉल कम करेगा अमरूद

कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। बहुत से लोग कोलेस्ट्रॉल की समस्या से पीड़ित हैं जिसकी वजह से उन्हें दिल से जुड़े विभिन्न रोगों का सामना करना पड़ रहा है। यह मोम की तरह चिपचिपा पदार्थ होता है, जो खून की नसों में पाया जाता है। इसका निर्माण आपके द्वारा खाए जाने वाले पदार्थों से होता है, साथ ही आपका लीवर भी इसे बनाता है।

शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने के नुकसान यह हैं कि इससे खून की नसें ब्लॉक हो सकती हैं जिससे ब्लड फ्लो बाधित हो सकता है और आप के लिए दिल के विकारों के साथ दिल के दौरा और स्ट्रोक का जोखिम पैदा हो सकता है। कोलेस्ट्रॉल कम करने के उपाय क्या हैं? नसों में जमा गंदा कोलेस्ट्रॉल कम करने का सबसे अच्छा तरीका हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज है। हालांकि मेडिकल में कई दवाएं कोलेस्ट्रॉल कम करने का काम करती हैं। इनके अलावा आप अमरूद जैसे फाइबर से भरपूर फलों को खाकर भी इसे कम कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कैसे। एक रिसर्च के अनुसार, सर्दियों का मौसम है और इन दिनों अमरूद खूब बिक रहा है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने के लिए आपको अमरूद का सेवन करना चाहिए। यह फल आसानी से कोलेस्ट्रॉल कम कर सकता है। सबसे अच्छी बात यह है कि शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल के विकास को बढ़ावा देता है।

कोलेस्ट्रॉल कैसे कम करता है अमरूद

इसी अध्ययन में इस बात के प्रमाण हैं कि फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे ओट्स, फल और सब्जियां खाने से शरीर में जमा फैट को कम करने में मदद मिल सकती है। इतना ही नहीं फाइबर से ब्लड लिपिड को कंट्रोल करने में भी मदद मिल सकती है।

रिसर्च में हुआ खुलासा

कोलेस्ट्रॉल में अमरूद के फायदे के लिए एक अध्ययन किया गया जिसमें प्रभागियों ने 12 हफ्ते तक अमरूद का सेवन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि इतने दिनों के बाद हाई डेंसिटी वाला लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल, सीरम कुल कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स और ब्लड प्रेशर (9.0/8.0 मिमी एचजी) तक कम हो गया था।

अमरूद के पोषक तत्व

देखने में यह एक आम फल है लेकिन स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए इसके बड़े फायदे हैं। यह आहार फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, नियासिन, थियामिन, राइबोफ्लेविन, कैरोटीन और लाइकोपीन जैसे एंटीऑक्सिडेंट और कैल्शियम, फॉस्फोरस और आयरन जैसे खनिजों से भरपूर है।

पत्ते भी हैं फायदेमंद

बेशक आपको अमरूद पसंद न हो लेकिन इसके फायदे हैरान करने वाले हैं। सबसे बड़ी बात कि इस फल के पते, छाल और फूल भी कई गुणों से भरे हैं। इनका पारंपरिक रूप से कई बीमारियों को ठीक करने के लिए उपयोग किया जाता है।



इन आसान उपायों से मिनटों में दूर होगा सिरदर्द

सिर दर्द स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है जो कमोबेश कभी-न-कभी हर किसी को होता रहता है। आम तौर सिर दर्द की समस्या गर्मी के दिनों में ज्यादा परेशान करती है। यह इतना तेज होता है कि बर्दाश्त करना मुश्किल होता है। सिर दर्द को दूर करने के लिए आयुर्वेदिक, होम्योपैथी और एलोपैथी में कई तरह की दवाइयाँ उपलब्ध हैं, लेकिन हर बार इसके लिए दवाईयाँ लेना स्वास्थ्य के लिए सही नहीं होता है। विशेष रूप से एलोपैथी की पैन किलर का प्रभाव शरीर की दूसरी बीमारियों को बढ़ाने का काम कर सकता है। इसलिए आज हम कुछ ऐसे देसी नुस्खे बताने जा रहे हैं जिनको इस्तेमाल करके सिरदर्द की शिकायत को दूर किया जा सकता है।

गर्म पानी में नींबू का रस

आप फटाफट से तैयार होने वाला यह नुस्खा आजमा सकते हैं। इसमें आपको सिर्फ यह करना है कि 1 गिलास में गर्म पानी लीजिए और उसमें नींबू का रस डालकर पी लें। फिर देखिएगा आपको सिर दर्द से कितनी जल्दी राहत मिलती है। कई बार पेट में गैस बनने से भी सिर दर्द होने लगता है। उस स्थिति में भी यह घरेलू उपाय बेहद ही कारगर माना गया है।

लैवेंडर का तेल

लैवेंडर के तेल को सूंघने से आपको सिर दर्द की समस्या से बेहद आराम मिलता है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार लैवेंडर का तेल माइग्रेन के लक्षणों को भी ठीक करने में मदद करता है। एक टिश्यू पेपर पर लैवेंडर के तेल की कुछ बूँदें डाल लें और फिर उस पेपर को सूंघ लें।

लौंग का इस्तेमाल

तवे पर लौंग की कुछ कलियों को गर्म कर लीजिए। इन गर्म हो चुकी लौंग की कलियों को एक रूमाल में बांध लीजिए। थोड़ी-थोड़ी देर पर इस पोटली को सूंघते रहिए। आप पाएंगे कि सिर का दर्द कम हो गया है। लौंग में दर्द खत्म करने के गुण होते हैं।

एक्यूप्रेशर के द्वारा

सालों से लोग सिर दर्द में राहत के लिए एक्यूप्रेशर का प्रयोग करते आ रहे हैं। सिर दर्द होने की स्थिति में आप अपनी दोनों हथेलियों को सामने ले आइए। इसके बाद एक हाथ से दूसरे हाथ के अंगूठे और इंडेक्स फिंगर के बीच की जगह पर हल्के हाथ से मसाज कीजिए। ये प्रक्रिया दोनों हाथों में दो से चार मिनट तक दोहराइए।

तुलसी

तुलसी मांसपेशियों को आराम देने की तरह काम करती है। थकी हुई मांसपेशियों के कारण होने वाले सिर के दर्द का इलाज करने में तुलसी बेहद लाभदायक होती है। इसके साथ ही इसमें आराम देने और एनाल्जेसिक के प्रभाव भी मौजूद होते हैं। एक कप पानी में सबसे पहले तीन या चार तुलसी की पत्तियों को कुछ मिनट तक उबालने के लिए रख दें। आप इसमें कुछ मात्रा में शहद भी मिलाकर चाय को पी सकते हैं।



एलर्जी के कारण होती है नाक में खुजली

मौसम बदलने से नाक में एलर्जी के कारण खुजली महसूस होने लगती है। इस खुजली की वजह से सांस लेने में कठिनाई महसूस होती है। नाक में एलर्जी किसी बाहरी चीज के सम्पर्क में आने से भी हो सकती है। नाक में खुजली होने के बहुत से कारण हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं —

- एक्जिमा के कारण नाक में एलर्जी हो सकती है।
- नेजल एलर्जी या एलर्जिक रायनाइटिस होना।
- अस्थमा होने पर नाक में एलर्जी हो सकती है।
- सिगरेट के धुएं से भी नाक में खुजली होती है।
- नाक में धूल जाने के कारण खुजली हो सकती है।
- परफ्यूम के साइड इफेक्ट से भी नाक में खुजली होती है।
- जेनेटिक कारणों से भी नाक में खुजली महसूस हो सकती है।

घरेलू नुस्खे

नाक में हो रही खुजली को वैसे तो ईएनटी विशेषज्ञों द्वारा दी जाने वाली दवाईयों के जरिये ठीक किया जा सकता है, लेकिन नाक की खुजली को आप घरेलू नुस्खों के जरिये भी सही कर सकते हैं।

शहद और तुलसी- नाक में खुजली की वजह फंगल या बैक्टीरियल इंफेक्शन भी हो सकता है। संक्रमण दूर करने के लिए तुलसी के पत्ते का पेस्ट बना लें। इसमें शहद मिलाएं। इस पेस्ट को गुनगुने पानी के साथ लें। इस मिश्रण का सेवन करने से त्वचा में हो रही खुजली की समस्या भी दूर होती है।

पपीता- पपीते का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। पपीते में ब्रोमलेन नाम का इंजाइम पाया जाता है जिससे नाक की सूजन और खुजली की समस्या दूर होती है। रोजाना पपीता का सेवन न करें। हफ्ते में 3 से 4 बार कर सकते हैं।

हल्दी- हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। हल्दी का सेवन करने से नाक और त्वचा में खुजली की समस्या दूर होती है। हल्दी को गुनगुने पानी या दूध के साथ ले सकते हैं। गरम दूध या पानी में 1 चम्मच हल्दी मिलाएं। रात में इसका सेवन करने से नाक में हो रही खुजली से निजात मिलेगी। नाक की एलर्जी दूर करने में हल्दी का सेवन फायदेमंद माना जाता है।

काली मिर्च- नाक में खुजली की समस्या दूर करने के लिए काली मिर्च का इस्तेमाल कर सकते हैं। एलर्जी के कारण अगर नाम में खुजली हो रही है, तो काली मिर्च का सेवन फायदेमंद साबित होगा। काली मिर्च में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। काली मिर्च के साथ शहद मिलाएं। गुनगुने पानी के साथ काली मिर्च और शहद को मिलाकर खाएं।

कपालभाति प्राणायाम- नाक में खुजली होने पर आप कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं। कई बार नाक का रास्ता ब्लॉक होने के कारण खुजली की समस्या होती है। खुजली दूर करने के लिए नाक का रास्ता खुलना जरूरी है। इसके लिए कपालभाति का अभ्यास 15 मिनट के लिए करें। कपालभाति करने के लिए गहरी सांस लें। सांस को अंदर खींचें। फिर सांस छोड़ते हुए पेट को खींचें। नाक में खुजली होने पर एलर्जी टेस्ट किए जा सकते हैं। वैसे तो एलर्जी के लक्षण एक हफ्ते के अंदर ठीक हो जाते हैं। अगर फर्क महसूस न हो, तो डॉक्टर से मिलें।



आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्सको आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छाछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

साधारण सभा की बैठक में रानी सूर्यमुखी देवी की प्रतिमा के लिए 11 लाख रुपए की स्वीकृति

गोलबाजार स्थित मटन मार्केट को विस्थापित करने एवं अतिक्रमण हटाने का लिया गया निर्णय

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

श्रीमती सूर्यमुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव की साधारण की बैठक जिला कार्यालय के अपर कलेक्टर कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में राजगामी सम्पदा न्यास की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू, उपाध्यक्ष मनोज निवाणी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर राजनांदगांव सीएल मारकण्डेय, राजगामी संपदा व्यवस्थापक एवं तहसीलदार प्यारे लाल नाग उपस्थित थे।

बैठक में राजगामी संपदा न्यास की भूमि एवं संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन, शहर के विकास तथा राजस्व व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में राजगामी संपदा की संपत्तियों से जुड़े लंबित विषयों, राजस्व वसूली, अतिक्रमण एवं शहर में प्रस्तावित विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में राजनांदगांव शहर के गोलबाजार स्थित मटन मार्केट का किराया एवं बकाया किराया निरस्त करने तथा वर्तमान मटन मार्केट को अन्यत्र विस्थापित करने का निर्णय लिया गया। राजगामी संपदा की शहरी क्षेत्र में स्थित भूमि पर हुए अतिक्रमणों के संबंध में चर्चा की गई तथा संबंधित भूमि का सीमांकन कार्य पूर्ण कराकर अवैध कब्जाधारियों को हटाने की कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही राजगामी संपदा के जिन बकायादारों द्वारा लंबे समय से किराया अथवा अन्य देय राशि जमा नहीं की गई है, उन्हें नोटिस जारी कर नियमानुसार बकाया राशि की वसूली की कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया।



शहर में रानी सूर्यमुखी देवी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए 11 लाख रूपए की राशि स्वीकृत करने का प्रस्ताव पारित किया गया। गोलबाजार स्थित गोल ऑफिस भवन की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए रंगरोगन एवं जीर्णोद्धार कार्य कराने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। भूमि की वास्तविक स्थिति एवं भूमि संबंधी विवादों को दृष्टिगत रखते हुए रॉयल किड्स, वाइडनर स्कूल एवं गुजराती स्कूल की भूमि का सीमांकन कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में राजगामी संपदा की संपत्तियों के संरक्षण, उनके समुचित उपयोग, लंबित राजस्व की वसूली एवं शहर के विकास से जुड़े अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

खास खबर

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से रोशन हुए घर, बिजली बिल हुआ जीरो

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में घर-घर आर्थिक राहत बन रही है। राजनांदगांव के एक परिवार का बिजली बिल 6 हजार से घटकर लगभग शून्य हो गया है। ममता नगर गुलमोहर कॉलोनी निवासी गजानन जंघेल पिता पन्ना लाल जंघेल ने बताया कि पहले उनका बिल हर महीने 5 से 6 हजार रुपये आता था, जो बजट पर बड़ा बोझ था। योजना से छत पर सोलर पैनल लगवाने के बाद बिल लगभग शून्य हो गया है। उन्हें सोलर लगाने के लिए कुल 1.08 लाख रुपये की सब्सिडी मिली, जिसमें केंद्र से 78 हजार और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये शामिल हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए लोगों से योजना का लाभ लेने की अपील की है।

गौरतलब है कि नवंबर 2026 तक प्रदेश में 1 लाख 12 हजार से अधिक घरों में रूफटॉप सोलर लग चुके हैं। योजना के तहत केंद्र से अधिकतम 78 हजार और राज्य सरकार से अतिरिक्त सहायता दी जा रही है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा और बचत दोनों को बढ़ावा मिल रहा है।

महादेव घाट में जेसीबी से 3 नाव क्षतिग्रस्त, क्रांति सेना के विरोध के बाद निगम ने लिखित में दिया आश्वासन



रायपुर। छठ पर्व की तैयारी के दौरान महादेव घाट में नगर निगम की लापरवाही से नाविकों की तीन नाव क्षतिग्रस्त हो गई। विरोध के बाद निगम प्रशासन ने एक माह में तीन नई नाव बनाकर देने का लिखित आश्वासन दिया है। घटना 13 नवंबर की रात की है। जोन 8 द्वारा महादेव घाट में सफाई कराई जा रही थी। आरोप है कि बिना पूर्व सूचना के जेसीबी लगा दी गई, जिससे पर्यटकों को घुमाने वाली तीन नाव पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर नाविकों ने पहुंचकर जेसीबी ड्राइवर को रोका, जिससे अन्य नावें बच गईं।

आज दिनभर छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के पदाधिकारियों ने निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर जोन 8 कमिश्नर राजेश्वरी पटेल पहुंचीं। बाद में निगम मुख्यालय में उपायुक्त रवि राही से क्रांति सेना अध्यक्ष डॉ. अजय यादव, युवा क्रांति सेना अध्यक्ष शिवेंद्र वर्मा और मीडिया प्रभारी राहुल वर्मा की चर्चा हुई। बैठक में तीनों पीड़ित नाविक और पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा भी मौजूद रहे। निगम प्रशासन ने लिखित में आश्वासन दिया है कि एक माह के भीतर तीनों नाविकों को नई नाव बनाकर दी जाएगी और तब तक कलेक्टर दर पर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

कटोरा तालाब का नाम बदलने पर विवाद, क्रांति सेना ने निगम आयुक्त को दिया अल्टीमेटम



रायपुर। कटोरा तालाब का नाम बदलकर झूलेलाल सरोवर करने पर विवाद खड़ा हो गया है। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर नाम पट्टिका हटाने का अल्टीमेटम दिया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि नाम नहीं हटाया गया तो रायपुर जिला इकाई उग्र प्रदर्शन कर निगम का घेराव करेगी।

11 नवंबर को सौंपे ज्ञापन में संगठन ने मांग की है कि छठ पर्व से पहले छत्तीसगढ़ के तालाबों और नदी घाटों के ऐतिहासिक नामों से छेड़छाड़ पर रोक लगाई जाए। अध्यक्ष पुष्पेंद्र वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के तालाबों की अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक पहचान है। ये नाम लोकसंस्कृति और पूर्वजों की विरासत से जुड़े हैं। मूल नाम बदलने की प्रवृत्ति पर तत्काल रोक लगनी चाहिए।

पदाधिकारी उषा श्रीवास ने कहा कि छठ बिहार का पर्व है, उसके आयोजन के नाम पर छत्तीसगढ़ के पारंपरिक तालाबों के मूल नाम बदलना उचित नहीं है। प्रवासी पर्व मना सकते हैं, लेकिन 'छठ घाट' के नाम पर नामकरण करना सांस्कृतिक विरासत के खिलाफ है। संगठन ने कहा कि तालाब केवल जलस्रोत नहीं, छत्तीसगढ़िया समाज की धरोहर हैं। यदि कटोरा तालाब की पट्टी नहीं बदली गई तो लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त कार्यक्रम के संदर्भ में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार फोटोयुक्त निर्वाचन नामावली (मतदाता सूची) का विशेष संक्षिप्त अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 कार्यक्रम के संदर्भ में कलेक्टोरेट में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी योगिता देवांगन सहित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण 2 नवम्बर 2026, मतदान सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवम्बर 2026, दावा आपत्ति 12 नवम्बर से 11 दिसम्बर 2026, दावा आपत्तियों का निराकरण 28 दिसम्बर 2026 एवं मतदान सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा। विधानसभावार मतदान केन्द्रों की संख्या 1075 है। राजनांदगांव जिले अंतर्गत मतदान केन्द्रों की संख्या 899 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74-डोंगरगढ़ (अनुसूचित जाति) अंतर्गत मतदान केन्द्रों की संख्या 293 है। जिसमें खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिला के खैरागढ़ तहसील अंतर्गत 106 मतदान केन्द्र आते है। राजनांदगांव जिला के डोंगरगढ़ तहसील अंतर्गत 85, घुमका तहसील अंतर्गत 68, राजनांदगांव तहसील अंतर्गत 34 मतदान केन्द्र आते है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-राजनांदगांव अंतर्गत 243 मतदान केन्द्र आते है।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 76-डोंगरगांव अंतर्गत 272 मतदान केन्द्र आते है। जिसमें डोंगरगांव तहसील अंतर्गत 142, डोंगरगढ़ तहसील अंतर्गत 58, लाल बहादुर नगर तहसील अंतर्गत 72 मतदान केन्द्र आते है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77-खुज्जी अंतर्गत 267 मतदान केन्द्र आते है। जिसमें राजनांदगांव जिले के छुरिया तहसील अंतर्गत 109, कुमरदा तहसील अंतर्गत 88 एवं मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिला के अम्बागढ़ चौकी तहसील अंतर्गत 70 मतदान केन्द्र आते है।

विधानसभावार अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 की स्थिति में मतदाताओं की संख्या 792485 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 396898, महिला मतदाताओं की संख्या 395581, अन्य मतदाताओं की संख्या 6 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74-डोंगरगढ़ (अनुसूचित जाति) अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 204537 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 103640, महिला मतदाताओं की संख्या 100895, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-राजनांदगांव अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 201500 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 99271, महिला मतदाताओं की संख्या 102227, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 76-डोंगरगांव अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 199555 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 100700, महिला मतदाताओं की संख्या 98853, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77-खुज्जी अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 186890 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 93285, महिला मतदाताओं की संख्या 93605 है।

इसी तरह विधानसभावार प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवम्बर 2026 की स्थिति में मतदाताओं की संख्या 801468 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 400800, महिला मतदाताओं की संख्या 400661, अन्य मतदाताओं की संख्या 7 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74-डोंगरगढ़ (अनुसूचित जाति) अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 207469 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 104952, महिला मतदाताओं की संख्या 102515, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-राजनांदगांव अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 203803 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 100196, महिला मतदाताओं की संख्या 103605, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 76-डोंगरगांव अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 201155 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 101435, महिला मतदाताओं की संख्या 99718, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77-खुज्जी अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 189041 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 94217, महिला मतदाताओं की संख्या 94823, अन्य मतदाताओं की संख्या 1 है।

राजनांदगांव जिलावार अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 की स्थिति में मतदाताओं की संख्या 675194 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 337828, महिला मतदाताओं की संख्या 337360, अन्य मतदाताओं की संख्या 6 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74-डोंगरगढ़ (अनुसूचित जाति) अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 134330 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 67804, महिला मतदाताओं की संख्या 66524, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-राजनांदगांव अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 201500 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 99271, महिला मतदाताओं की संख्या 102227, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 76-डोंगरगांव अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 199555 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 100700, महिला मतदाताओं की संख्या 98853, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77-खुज्जी अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 186890 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 93285, महिला मतदाताओं की संख्या 93605 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74-डोंगरगढ़ (अनुसूचित जाति) अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 69756 है।

इसी तरह विधानसभावार प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवम्बर 2026 की स्थिति में मतदाताओं की संख्या 682163 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 340838, महिला मतदाताओं की संख्या 341319, अन्य मतदाताओं की संख्या 6 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74-डोंगरगढ़ (अनुसूचित जाति) अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 135879 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 68466, महिला मतदाताओं की संख्या 67411, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-राजनांदगांव अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 203803 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 100196, महिला मतदाताओं की संख्या 103605, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 76-डोंगरगांव अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 201155 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 101435, महिला मतदाताओं की संख्या 99718, अन्य मतदाताओं की संख्या 2 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77-खुज्जी अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 141326 है। जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 70741, महिला मतदाताओं की संख्या 70585 है।

अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 के उपरांत सतत पुनरीक्षण अवधि में फार्म 6 के 13027, फार्म 7 के 2154, फार्म 8 के 10293 दावा-आपत्ति की प्राप्त हुई है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74-डोंगरगढ़ (अनुसूचित जाति) अंतर्गत फार्म 6 के 4299, फार्म 7 के 638, फार्म 8 के 2740 दावा-आपत्ति की प्राप्त हुई है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-राजनांदगांव अंतर्गत फार्म 6 के 2360, फार्म 7 के 285, फार्म 8 के 3062 दावा-आपत्ति की प्राप्त हुई है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 76-डोंगरगांव अंतर्गत फार्म 6 के 2646, फार्म 7 के 505, फार्म 8 के 2491 दावा-आपत्ति की प्राप्त हुई है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77-खुज्जी अंतर्गत फार्म 6 के 3722, फार्म 7 के 726, फार्म 8 के 2000 दावा-आपत्ति की प्राप्त हुई है।

बैठक में बताया गया कि पुनरीक्षण के दौरान 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई या 1 अक्टूबर 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले ऐसे सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने हेतु फार्म 6 के माध्यम से आवेदन कर सकते है। प्राप्त दावा आपत्ति की सूची पुनरीक्षण के दौरान जिले की वेबसाईट पर प्रत्येक साक्ष अपलोड की जायेगी। जिसका अवलोकन नागरिक कर सकते है। ईआरओ द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की साक्षाहिक बैठक आयोजित कर प्राप्त दावा-आपत्तियों की सूची उपलब्ध कराया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला स्तरीय कॉल सेंटर स्थापित किया गया है। कार्यालयीन समय में 1950 नम्बर पर संपर्क कर पुनरीक्षण संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

जिला स्तर पर 07744-226315, तहसील स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। वोटर सर्विस पोर्टल एवं मतदाता हेल्पलाइन ऐप की सहायता से मतदाता, मतदाता सूची में अपना नाम खोजने, मतदाता पंजीकरण, संशोधन एवं विलोपन के लिए ऑनलाईन फॉर्म भरने, ई-इपिक डाऊनलोड करने, डिजिटल फोटो मतदाता पर्ची डाउनलोड करने, शिकायत करने, मतदान केन्द्र का विवरण खोजने का कार्य आसानी से कर सकते है। बीएलए की नियुक्ति-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल प्रत्येक मतदान केन्द्र हेतु उसी मतदान केन्द्र के एक मतदाता को अपने दल की ओर से बीएलए नियुक्त कर सकते है। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के अरूण शुक्ला एवं मुकेश बघेल, इंडियन नेशनल कांग्रेस के कमलजीत पिंटू एवं रूपेश दुबे, छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस (जे) के ऋषभ रामटेके, हेमंत सूर्यवंशी, नमन कुमार पटेल सहित अन्य मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

पड़ोसी ने घर में घुसकर महिला से की छेड़छाड़, आरोपी पुलिस पकड़ में

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़-राजनांदगांव



महिला के साथ छेड़छाड़ के मामले में डोंगरगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मनोज देवांगन (44) को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

12 नवंबर 2026 को दोपहर 1 बजे पीड़िता अपने घर के सामने कमरे में सो रही थी। पड़ोस का रहने वाला मनोज देवांगन घर में घुस आया, चादर खींचकर दोनों हाथ पकड़ लिए और मुंह दबाकर जान से मारने की धमकी देते हुए छेड़छाड़ करने लगा। महिला ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी को दो थप्पड़ मारे और चिल्लाई, अंदर सो रहा उसका जेठ का लड़का लुकेश मंडावी आवाज सुनकर पहुंचा तो आरोपी भाग गया। पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 670/2026 धारा 74, 75, 331(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देश, एएसपी कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और एसडीओपी केशरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी रामेश्वर प्रसाद देशमुख ने टीम के साथ आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में जुर्म स्वीकार करने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

कलेक्टर ने धान खरीदी और संग्रहण केंद्रों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कवर्धा। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज सहसपुर लोहारा विकासखंड के विभिन्न धान उपार्जन एवं संग्रहण केंद्रों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राज्य में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर प्रारंभ हो रही धान खरीदी के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने धान उपार्जन केंद्र महराजपुर, बाजार चारभांठा, राजपुर, टाटीकसा एवं धान संग्रहण केंद्र चारभांठा का जायजा लिया। उन्होंने समिति प्रबंधकों एवं संबंधित अधिकारियों से धान खरीदी की तैयारियों, संग्रहण केंद्रों की व्यवस्था तथा अब तक जारी किए गए टोकन की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए तथा किसानों को उपार्जन केंद्रों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए : कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में 15 नवम्बर 2026 से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ हो रही है। धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने धान उपार्जन केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा धान खरीदी की तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में अन्य क्षेत्रों से होने वाले अवैध धान परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने तथा धान के अवैध कारोबार में संलिप्त कोचियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को धान खरीदी व्यवस्था की सतत निगरानी करने तथा किसानों को सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराने कहा।

कलेक्टर ने अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों एवं निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप उपलब्धियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को पोर्टल में योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति से संबंधित जानकारी नियमित रूप से अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोर्टल में दर्ज जानकारी तथ्यात्मक, सटीक एवं अद्यतन होनी चाहिए, ताकि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रभावी निगरानी एवं समीक्षा की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने कहा।

कलेक्टर ने राजनांदगांव शहर में निर्माणाधीन स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज की प्रगति की जानकारी लेते हुए पुशिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की प्रतिदिन जानकारी उपलब्ध कराने तथा कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने कहा। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग के सर्विस लेन के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना अथवा जनहानि की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शासकीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन एवं कार्यप्रणाली में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही राजगामी की जमीन का ऑडिट कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्य पूर्ण कर चुके ठेकेदारों के लंबित भुगतान का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के बिजली व्यय में कमी लाने तथा स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। योजना के अंतर्गत जिले में अब तक 16 हजार 492 आवेदन प्राप्त हुए हैं तथा 8 हजार 396 हितग्राहियों के घरों में रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं। इससे हितग्राही बिजली के उपभोक्ता होने के साथ-साथ स्वयं ऊर्जा उत्पादक भी बन रहे हैं। कलेक्टर ने शेष आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाते हुए पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना की जानकारी अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचाने तथा सोलर पैनल स्थापना के कार्यों में तेजी लाने कहा।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने मुख्यमंत्री जनदर्शन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, पीजी पोर्टल एवं कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

निगम आयुक्त ने ली अधिकारियों की समीक्षा बैठक

आगामी निकाय चुनाव के लिए पोलिंग बूथों में आवश्यक व्यवस्था, शहर की प्रकाश व्यवस्था



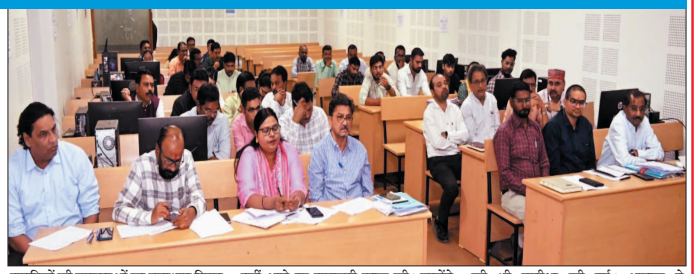

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने आज निगम सभागार में अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागों में लंबित कार्यों एवं प्रगतिरत कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों एवं मांगों का निराकरण, आगामी निकाय चुनाव के लिए पोलिंग बूथों में आवश्यक व्यवस्था, शहर की प्रकाश व्यवस्था, ई-ऑफिस प्रणाली में लंबित प्रकरणों तथा विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों को विशेष प्राथमिकता दी गई। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित कार्यों को गंभीरता से लेते हुए उनमें तेजी लाएं और निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें।

बैठक में आयुक्त ने छत्तीसगढ़ शासन की सीएम हेल्पलाइन में नागरिकों द्वारा दर्ज कराई जा रही शिकायतों एवं मांगों की समीक्षा करते हुए उनका जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जोन स्तर एवं वार्ड स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए गए, ताकि प्राप्त शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित विभाग के माध्यम से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आगामी नगरीय निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए आयुक्त ने शहर के सभी पोलिंग बूथों में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र में बिजली, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त कर लें, ताकि मतदान के दौरान मतदाताओं एवं मतदान दलों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

शहर की प्रकाश व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने कार्यों में अपेक्षित तेजी नहीं आने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों, बाजारों एवं गली-मोहल्लों में कहीं भी स्ट्रीट लाइट बंद नहीं रहनी चाहिए। बंद एवं खराब लाइटों को तत्काल बदलने तथा आवश्यकता वाले स्थानों पर नई लाइट लगाने की कार्रवाई की जाए। प्रकाश व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नागरिकों को रात्रि के समय आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसी प्रकार ई-ऑफिस प्रणाली की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों को शीघ्र आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित होने वाली फाइलों एवं प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। संबंधित अधिकारी समय-सीमा में अपनी कार्यवाही पूर्ण करें, जिससे प्रकरणों पर अग्रिम निर्णय एवं कार्रवाई समय पर हो सके।

शहर में विभिन्न मदों के अंतर्गत स्वीकृत विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर गति प्रदान करें। कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। लंबित कार्यों का नियमित फॉलोअप करें और नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में तत्परता दिखाएं, ताकि निगम की सेवाओं एवं व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

समीक्षा बैठक के दौरान अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त डी के कोसरिया, सभी जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, लेखाधिकारी, एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

तालाबों की सफाई में जुटीं महापौर अलका बाघमार, फावड़ा चलाकर किया श्रमदान



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छठ पर्व के मद्देनजर शहर के तालाबों एवं घाटों की स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त करने महापौर अलका बाघमार ने स्वयं मोर्चा संभाल लिया है। विशेष स्वच्छता अभियान के तहत महापौर ने जनप्रतिनिधियों एवं नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ शहर के चार प्रमुख तालाबों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रेवा तालाब, शक्तिनगर तालाब, पुजारी तालाब एवं कातुलबोर्ड तालाब पहुंचकर सफाई कार्यों की स्थिति देखी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

रेवा तालाब में निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने श्रमदान करते हुए स्वयं फावड़ा उठाया और तालाब से जलकुंभी एवं कचरा निकालने के कार्य में हिस्सा लिया। उनके साथ लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर एवं पार्षद मनोज सोनी ने भी फावड़ा चलाकर सफाई अभियान में श्रमदान किया। जनप्रतिनिधियों को स्वयं सफाई कार्य में जुटा देखकर निगम अमले का उत्साह भी बढ़ा।

महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ पर्व को देखते हुए शहर के सभी तालाबों एवं घाटों में युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाया जाए। तालाबों में जमी जलकुंभी, कचरे एवं गंदगी को प्राथमिकता से हटाने के साथ घाटों के आसपास विशेष सफाई कराई जाए। श्रद्धालुओं के आवागमन, पूजा-अर्चना एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि छठ पर्व आस्था, श्रद्धा और स्वच्छता से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। शहर के सभी तालाबों एवं घाटों को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित रखना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की जिम्मेदारी केवल निगम अमले तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की सहभागिता भी आवश्यक है। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही वर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर ने तालाबों की सफाई को केवल विशेष पर्वों तक सीमित न रखते हुए नियमित रूप से जारी रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि शहर के प्रत्येक तालाब की महीने में कम से कम एक बार अनिवार्य रूप से सफाई कराई जाए, ताकि जलस्रोतों की स्वच्छता बनी रहे और नागरिकों को बेहतर वातावरण मिल सके।

निरीक्षण एवं सफाई अभियान के दौरान पार्षद रंजीता पाटिल, सुरुचि उमरे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, भाजपा जिला प्रवक्ता अरुण सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, करण कोरसिया सहित नगर निगम की टीम एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

इबोला वायरस रोग की रोकथाम व नियंत्रण के लिए मॉकड्रिल आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



विश्व स्तर पर इबोला वायरस रोग के प्रसार की वर्तमान स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार द्वारा इबोला वायरस रोग की रोकथाम, नियंत्रण एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया की तैयारियों का आकलन करने हेतु राज्य से डॉ. खेमराज सोनवानी, उप संचालक एवं राज्य सर्वलेंस अधिकारी, डॉ. माधवी एम्स रायपुर तथा डॉ. चयनिका राज्य एंटोमॉलॉजिस्ट की मौजूदगी में तथा जिले से डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के निर्देशन में डॉ सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वलेंस अधिकारी, डॉ. अशीष कुमार मिंज, सिविल सर्जन, डॉ. आलोक रामटके, डॉ. आर. के. मल्होत्रा, डॉ. पुजा वर्मा, डॉ. अंकिता राउत, डॉ. उन्नयन साहू, डॉ. सौरीन चौटर्जी, मैट्रन, स्टाफ नर्स व अन्य स्टाफ के उपस्थिती में, जिला चिकित्सालय, दुर्ग में 12 नवंबर 2026 को मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया।

उक्त मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य संदिग्ध इबोला मरीज की पहचान से लेकर उपचार, आइसोलेशन, नमूना संग्रहण एवं परिवहन तथा रिपोर्टिंग तक की संपूर्ण व्यवस्था का परीक्षण करना है। साथ ही आइसोलेशन सेंटर में इबोला संक्रमण से बचाव हेतु आवश्यक पर्सनल प्रोटेक्टिव एक्वीपमेंट (पीपीई) विशेषकर इबोला-विशिष्ट पीपीई किट एवं अन्य आवश्यक सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

तैयारियों का विधायक ललित चंद्राकर ने लिया जायजा, घाटों का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई



सूर्योपासना के महापर्व छठ को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने छठ पर्व के मद्देनजर मां कल्याणी शीतला मंदिर तालाब, मरोदा टैंक एवं नेवई डेम का निरीक्षण कर घाटों पर की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने छठ घाटों पर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, अस्थायी शौचालय, बैरिकेडिंग, पार्किंग, आवागमन के मार्ग तथा सुरक्षा इंतजामों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्व से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, श्रद्धा और अनुशासन का पर्व है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु अस्ताचलगामी एवं उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने विशेष रूप से घाटों पर पानी की गुणवत्ता की जांच, गहरे पानी वाले स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने, गोताखोरों एवं पुलिस बल की तैनाती तथा महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था, घाटों की नियमित सफाई और कचरा निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

इस अवसर पर नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न छठ पूजा समितियों के सदस्य उपस्थित रहे। विधायक ललित चंद्राकर ने समस्त छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को महापर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि भगवान भास्कर की कृपा से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और आरोग्य का संचार हो।

शहर में पीलिया की रोकथाम के लिए जुटे स्वास्थ्य अमला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



नगर निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत आज वार्ड क्र. 54 आबादी बस्ती पोटियाकला में संभावित पीलिया मरीज मिलने पर डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के निर्देश में डॉ सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में शहरी खण्ड चिकित्सा अधिकारी, दुर्ग व सीटी प्रोग्राम मैनेजर, दुर्ग, श्रीमती रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, दुर्ग एवं बीईटीओ स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया।

प्रभावित क्षेत्र का स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 12 नवम्बर 2026 तक कुल 286 घरों का सर्वे किया गया है। जहाँ पीलिया के नये मरीज नहीं मिले है, दिनांक 07 नवम्बर 2026 से आज दिनांक तक कुल 09 मरीज मिले, जिनमें से 01 मरीज का शासकीय अस्पताल में चिकित्सकीय उपचार चल रहा है। अन्य सभी मरीज घर पर चिकित्सकीय उपचार ले रहे है। संक्रमित क्षेत्र में पीलिया से किसी भी मरीज की मृत्यु नहीं हुई है। वर्तमान में सभी मरीजों की स्थिति सामान्य है। संक्रमित क्षेत्र का 04 जगहों से पानी सैम्पल का नमूना लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, दुर्ग द्वारा जांच के लिये भेजा गया है।

जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग, दुर्ग आम जनता से अपील की गई है कि उल्टी लगना, भूख न लगना, थकान महसूस होना, पेट में लगातार दर्द होना, बुखार आना जैसे पीलिया संबंधी लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें। साथ ही पीलिया का जाँच कराने और अपने व परिवार का ध्यान रखने की सलाह दी गयी है। पानी उबाल कर पिये, सड़े गले सब्जी न खाये, बाहर का खाना बंद करे, मांसाहार ना खाये, तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पीलिया से घबराने की आवश्यकता नहीं है। सतर्क रहें, स्वच्छता का पालन करें, लक्षण होने पर समय पर स्वास्थ्य संस्था से संपर्क करें तथा संक्रमण के प्रसार को रोकने में सहयोग करें।

सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत

बेमेतरा। जिले के बेमेतरा-दुर्ग मुख्य मार्ग पर ग्राम निनवा के पास शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। मृतक रिश्ते में जीजा-साले थे। दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर बेमेतरा से दुर्ग की ओर जा रहे थे, तभी उनकी बाइक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों मृतकों के संबंध में अलग-अलग मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जिले के ग्राम बाबामोहतरा निवासी केदार जायसवाल (62 वर्ष) और ग्राम जेवरा निवासी गोवर्धन सिन्हा (50 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों शुक्रवार देर रात मोटरसाइकिल क्रमांक CG 25 H 2397 पर सवार होकर बेमेतरा से दुर्ग की तरफ जा रहे थे।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100